अप्रैल 2026 ■ वर्ष: 35 ■ अंक: 8 ₹150

सिविल सर्विसेज़

क्रॉनिकल

1990 से आईएएस अभ्यर्थियों की नं. 1 पत्रिका

4 सामान्य अध्ययन प्रारंभिक परीक्षा मॉक टेस्ट

विगत वर्षों के प्रश्न-पत्रों के गहन विश्लेषण पर आधारित

अंतरविषयी एवं बहुविषयी प्रकृति के अनुरूप

सामयिक आलेख

- **विकेंद्रीकृत नवीकरणीय ऊर्जा और महिला नेतृत्व:** भारत की ऊर्जा क्रांति को नई दिशा
- **मानव विज़न:** मानव-केंद्रित शासन हेतु कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग
- **इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 2.0:** भारत के विप पारितंत्र को सुदृढ़ करने की पहल
- **राष्ट्रीय सुरक्षा एवं लोक-व्यवस्था बनाम कलात्मक अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता**
- **ऊर्जा निर्भरता से आर्थिक परस्पर निर्भरता तक:** भारत-अरब व्यापार संबंध
- **एआई इम्पैक्ट पर नई दिल्ली घोषणा:** कृत्रिम बुद्धिमत्ता के भविष्य के लिए भारत की रूपरेखा
- **मासिक धर्म स्वास्थ्य अब मौलिक अधिकार:** सुप्रीम कोर्ट के निर्देश और इसका सामाजिक प्रभाव
- **प्रहार:** सक्रिय आतंकवाद-रोधी रणनीति की नई दिशा
- **एथेनॉल सम्मिश्रण:** ऊर्जा आत्मनिर्भरता बनाम खाद्य आत्मनिर्भरता का द्वंद्व
- **16वें वित्त आयोग की रिपोर्ट:** प्रमुख अनुशंसाएं और उभरती चिंताएं
- **इस्पात क्षेत्र का विकार्बनीकरण:** भारत के लिए आर्थिक आवश्यकता और पर्यावरणीय दायित्व
- **केमिकल पार्क:** भारत के विनिर्माण और धारणीयता अभियान को गति
- **डीप टेक स्टार्टअप्स एवं भारत का विकास प्रतिमान:** नवाचार-आधारित आत्मनिर्भरता की ओर

भारत में गैर-संचारी रोगों का बढ़ता बोझ

एक निवारक और सुदृढ़ स्वास्थ्य पारितंत्र की आवश्यकता

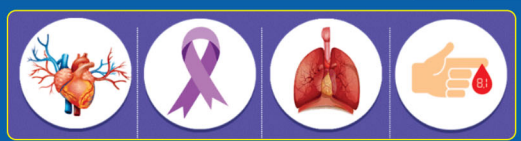

www.chronicleindia.in

सिविल सर्विसेज
क्रॉनिकल
1990 से आईएएस अभ्यर्थियों की नं. 1 पत्रिका

facebook/civilserviceschronicle

अप्रैल 2026
❑ वर्ष 35 ❑ अंक 8

इस अंक में

प्रारंभिकी 2026

87 **4 सामान्य अध्ययन मॉक टेस्ट**

- ✓ इस विशेष खंड में हम आगामी UPSC सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2026 के लिए सामान्य अध्ययन के 4 मॉक टेस्ट प्रस्तुत कर रहे हैं, जिसमें उत्तर और विस्तृत व्याख्याएं भी शामिल हैं।
- ✓ इन वस्तुनिष्ठ प्रश्नों (MCQs) को हमारी विशेषज्ञ टीम ने UPSC सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा के विगत 3 वर्षों के सामान्य अध्ययन प्रश्न-पत्रों के गहन विश्लेषण के आधार पर अत्यंत सावधानीपूर्वक तैयार किया है।
- ✓ ये 4 मॉक टेस्ट मुख्यतः आपके लिए एक त्वरित अभ्यास और पुनरावृत्ति संसाधन के रूप में प्रस्तुत किए गए हैं। यहां दिए गए वस्तुनिष्ठ प्रश्न (MCQs) आपकी तैयारी को दोहराने, मजबूत करने और आपको आवश्यक प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त प्रदान करने में सहायक होंगे।

आपकी सफलता के लिए हमारी हार्दिक शुभकामनाएं!

इन फोकस

07 विकेंद्रीकृत नवीकरणीय ऊर्जा और महिला नेतृत्वः भारत की ऊर्जा क्रांति को नई दिशा
08 डीप टेक स्टार्टअप्स एवं भारत का विकास प्रतिमानः प्रौद्योगिकीय निर्भरता से नवाचार-आधारित आत्मनिर्भरता की ओर
09 मानव विज़नः मानव-केंद्रित शासन हेतु कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग
10 इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 2.0: भारत के चिप पारितंत्र को सुदृढ़ करने की पहल
11 राष्ट्रीय सुरक्षा एवं लोक-व्यवस्था बनाम कलात्मक अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता
12 ऊर्जा निर्भरता से आर्थिक परस्पर निर्भरता तकः भारत-अरब व्यापार संबंधों का पुनर्संरेखण
13 एआई इम्पैक्ट पर नई दिल्ली घोषणाः कृत्रिम बुद्धिमत्ता के भविष्य के लिए भारत की रूपरेखा
14 मासिक धर्म स्वास्थ्य अब मौलिक अधिकारः सुप्रीम कोर्ट के निर्देश और इसका सामाजिक प्रभाव
15 प्रहारः सक्रिय आतंकवाद-रोधी रणनीति की नई दिशा
16 एथेनॉल सम्मिश्रणः ऊर्जा आत्मनिर्भरता बनाम खाद्य आत्मनिर्भरता का द्वंद्व
17 16वें वित्त आयोग की रिपोर्टः प्रमुख अनुशंसाएं और उभरती चिंताएं
18 इस्पात क्षेत्र का विकार्बनीकरणः भारत के लिए आर्थिक आवश्यकता और पर्यावरणीय दायित्व
19 केमिकल पार्कः भारत के विनिर्माण और धारणीयता अभियान को गति

सामयिक आलेख

05 भारत में गैर-संचारी रोगों का बढ़ता बोझः एक निवारक और सुदृढ़ स्वास्थ्य पारितंत्र की आवश्यकता

नियमित स्तंभ

राष्ट्रीय परिदृश्य

न्यायपालिका 20
सामाजिक आर्थिक-विकास 23
सामाजिक न्याय 26

सार्वजनिक नीति

पर्यावरण एवं प्रौद्योगिकी विकास 30
शासन व्यवस्था 31

रिपोर्ट एवं सूचकांक

राष्ट्रीय रिपोर्ट 32
अंतरराष्ट्रीय रिपोर्ट 35

कल्याणकारी योजनाएं

उद्योग एवं व्यापार 37
सामाजिक कल्याण 37

विरासत एवं संस्कृति

कला एवं संस्कृति 41
व्यक्तित्व 44

आर्थिक परिदृश्य

अर्थव्यवस्था के मूल सिद्धांत 46
कृषि एवं संबंधित क्षेत्र 47
उद्योग एवं व्यवसाय 48
बैंकिंग, वित्तीय सेवा एवं बीमा (BFSI) 51
संसाधन 52
अवसंरचना विकास 53

अंतरराष्ट्रीय संबंध एवं संगठन

चर्चित संधि एवं समझौते 57
वैश्विक समूह/गठबंधन 58
द्विपक्षीय संबंध 59
मानचित्र अध्ययन 67

पर्यावरण एवं जैव विविधता

सतत विकास 68
जलवायु परिवर्तन 70
जैव विविधता 71
आपदा प्रबंधन 73

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

जैव प्रौद्योगिकी 77
मूलभूत विज्ञान 78
रक्षा प्रौद्योगिकी 79
क्वांटम प्रौद्योगिकी 80
अंतरिक्ष विज्ञान 81
ऊर्जा प्रौद्योगिकी 82
सूचना प्रौद्योगिकी 83

पीसीएस विशेष करेंट अफेयर्स

राज्य परिदृश्य

उत्तर प्रदेश 171
बिहार 172
उत्तराखंड 173
हिमाचल प्रदेश 173
हरियाणा 173
दिल्ली 173
राजस्थान 174
गोवा 174
आंध्र प्रदेश 174
तमिलनाडु 174
गुजरात 175
कर्नाटक 175
केरल 175
असम 175
महाराष्ट्र 176
मेघालय 176
सिक्किम 176
झारखंड 176
तेलंगाना 176

लघु संचिका

चर्चित व्यक्ति 177
नियुक्ति 177
निधन 178
पुरस्कार एवं सम्मान 178
बैठक एवं महत्त्वपूर्ण सम्मेलन 179
चर्चित संगठन, संस्थान एवं आयोग 180
खेल परिदृश्य 182-183
समसामयिक प्रश्न 184-185
वनलाइनर करेंट अफेयर्स 186

संपादक : एन.एन. ओझा
सहायक संपादक : सुजीत अवस्थी
उपाध्यक्ष : कीर्ति नंदिता
संपादकीय : 9582948817, cschindi@chronicleindia.in
विज्ञापन : 9953007627, 9891601320 advt@chronicleindia.in
सदस्यता : 9953007628, 9953007629 subscription@chronicleindia.in
प्रसार : 9953007630, 9953007631 circulation@chronicleindia.in
ऑनलाइन सेल : 9582219047, onlinesale@chronicleindia.in
व्यावसायिक कार्यालय : क्रॉनिकल पब्लिकेशन्स प्रा. लि.
ए-1 डी, सेक्टर-16, नोएडा-201301
Tel.: 0120-2514610, 9953099442 info@chronicleindia.in

क्रॉनिकल पब्लिकेशन्स प्रा. लि.: प्रकाशित लेखों में लेखकों के विचार अपने हैं। उनसे संपादक का सहमत या असहमत होना जरूरी नहीं है। संपादक की लिखित अनुमति के बिना इस पत्रिका में प्रकाशित किसी भी सामग्री को उद्धृत या उसका अनुवाद नहीं किया जा सकता। पाठकों से अनुरोध है कि पत्रिका में छपे किसी भी विज्ञापन की सूचना की जांच स्वयं कर लें। सिविल सर्विसेज क्रॉनिकल, विज्ञापनों में प्रकाशित दावों के लिए किसी प्रकार जिम्मेदार नहीं है। किसी भी विवाद का न्यायिक क्षेत्र दिल्ली होगा।

क्रॉनिकल पब्लिकेशंस प्रा.लि. के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक-मृणाल ओझा** द्वारा एच-31, प्रथम तल ग्रीन पार्क एक्सटेंशन, नयी दिल्ली-110016, से प्रकाशित एवं इम्प्रेशन प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नंबर C-18-19-20-21, सेक्टर-59, नोएडा-201301 से मुद्रित- **संपादक एन.एन. ओझा**

भारत में गैर-संचारी रोगों का बढ़ता बोझ
एक निवारक और सुदृढ़ स्वास्थ्य पारितंत्र की आवश्यकता

• आलोक सिंह

भारत अपने सार्वजनिक स्वास्थ्य परिदृश्य में एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है, जहां हृदय-वाहिकीय रोग, मधुमेह, कैंसर और दीर्घकालिक श्वसन विकार जैसे गैर-संचारी रोग (NCDs) तेजी से देश के कुल रोग-भार का प्रमुख हिस्सा बनते जा रहे हैं। तीव्र शहरीकरण, बदलती जीवन-शैली, बढ़ते पर्यावरणीय जोखिम और वृद्ध होती जनसंख्या इस परिवर्तन को और अधिक तीव्र बना रहे हैं। ऐसी स्थिति में गैर-संचारी रोगों की चुनौती से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए स्वास्थ्य व्यवस्था को रोग-निवारण पर केंद्रित तथा अधिक सुदृढ़ स्वास्थ्य तंत्र की दिशा में निर्णायक रूप से रूपांतरित करना अनिवार्य हो गया है।

गैर-संचारी रोग 21वीं सदी की सबसे गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौतियों में से एक बन चुके हैं। विश्व स्तर पर स्वास्थ्य प्रणालियां हृदय-रोग, मधुमेह, कैंसर और दीर्घकालिक श्वसन रोगों जैसी बीमारियों में अभूतपूर्व वृद्धि का सामना कर रही हैं। हालिया वैश्विक स्वास्थ्य आकलनों के अनुसार, विश्व में होने वाली लगभग 75% मृत्यु गैर-संचारी रोगों के कारण होती हैं, जिससे स्वास्थ्य तंत्र और आर्थिक संसाधनों पर अत्यधिक दबाव पड़ता है।

* इसी संदर्भ में विश्व आर्थिक मंच (WEF) ने हाल ही में "एक्टिंग अर्ली ऑन नॉन-कम्युनिकेबल डिजीजेस: ए फ्रेमवर्क फॉर हेल्थ सिस्टम ट्रांसफॉर्मेशन" शीर्षक से एक रिपोर्ट जारी की। इस रिपोर्ट में रेखांकित किया गया है कि अधिकांश स्वास्थ्य प्रणालियां अभी भी प्रतिक्रियात्मक (reactive) बनी हुई हैं, जहां रोग के उन्नत चरणों में महंगे उपचार पर ध्यान दिया जाता है, जबकि रोग की रोकथाम पर अपेक्षाकृत कम जोर होता है।
* रिपोर्ट इस बात पर बल देती है कि गैर-संचारी रोगों की चुनौती का समाधान करने के लिए अस्वास्थ्यकर जीवन-शैली, पर्यावरणीय परिस्थितियों और सामाजिक-आर्थिक असमानताओं जैसे मूलभूत जोखिम कारकों को संबोधित करना आवश्यक है। इसके अनुसार टिकाऊ स्वास्थ्य प्रणालियों को शीघ्र पहचान, निवारक स्वास्थ्य सेवाओं और बहु-क्षेत्रीय सहयोग को प्राथमिकता देनी होगी।
* भारत जैसे देश के लिए, जो तीव्र जनसांख्यिकीय और जीवन-शैलीगत परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है, गैर-संचारी रोगों का बढ़ता बोझ केवल सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट ही नहीं बल्कि एक विकासात्मक चुनौती भी है। इससे निपटने के लिए स्वास्थ्य तंत्र में व्यापक और संरचनात्मक परिवर्तन आवश्यक हैं।

भारत में गैर-संचारी रोगों का बढ़ता बोझ: परिमाण और प्रवृत्तियां

* **रोग-प्रकृति में परिवर्तन:** पिछले तीन दशकों में भारत के रोग-परिदृश्य में उल्लेखनीय बदलाव आया है। जहां पहले संक्रामक रोग प्रमुख थे, वहीं अब गैर-संचारी रोग देश में **कुल मृत्यु के लगभग 60-65%** के लिए उत्तरदायी हैं।
* **प्रमुख रोग:** हृदय-वाहिकीय रोग मृत्यु का प्रमुख कारण बने हुए हैं, जिनके बाद कैंसर, दीर्घकालिक श्वसन रोग और मधुमेह का स्थान आता है।
* **मधुमेह का व्यापक प्रसार:** भारत को अक्सर **"विश्व की मधुमेह राजधानी"** कहा जाता है, क्योंकि यहां **10 करोड़ से अधिक** लोग मधुमेह से प्रभावित हैं।
* **उच्च रक्तचाप का प्रसार:** लगभग **प्रत्येक चार वयस्कों में से एक व्यक्ति उच्च रक्तचाप** से प्रभावित है, जिससे हृदय रोग और स्ट्रोक का जोखिम बढ़ जाता है।

चिंताजनक प्रवृत्तियां

भारत में गैर-संचारी रोगों से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण और चिंताजनक प्रवृत्तियां उभरकर सामने आई हैं-

* **रोगों की शीघ्र शुरुआत:** भारतीयों में हृदय रोग और मधुमेह जैसी स्थितियां पश्चिमी देशों की तुलना में लगभग एक दशक पहले विकसित हो जाती हैं।
* **ग्रामीण क्षेत्रों में विस्तार:** जहां पहले इन रोगों को मुख्यत: शहरी समस्या माना जाता था, अब वे **ग्रामीण क्षेत्रों में भी तेजी से फैल रहे हैं।**
* **कैंसर के मामलों में वृद्धि:** स्तन कैंसर, फेफड़ों का कैंसर और कोलोरेक्टल कैंसर जैसे **जीवन-शैली से जुड़े कैंसर** लगातार बढ़ रहे हैं।
* **रोगों का दोहरा बोझ:** भारत को एक साथ **संक्रामक रोगों से लड़ना** और **गैर-संचारी रोगों की बढ़ती चुनौती का सामना करना** पड़ रहा है।
* यह महामारी विज्ञान संबंधी परिवर्तन संकेत देता है कि भारत को **संक्रामक रोग नियंत्रण और दीर्घकालिक रोग प्रबंधन, दोनों मोर्चों पर समानांतर रणनीति** अपनानी होगी।

गैर-संचारी रोगों में वृद्धि के प्रमुख कारण

भारत में गैर-संचारी रोगों का बढ़ता संकट अनेक कारकों के संयुक्त प्रभाव का परिणाम है-

* **जीवन-शैली में परिवर्तन और शहरीकरण:** तेजी से बढ़ते शहरीकरण ने भोजन की आदतों और शारीरिक गतिविधियों के स्वरूप को बदल दिया है।
  - प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों की बढ़ती खपत, अधिक चीनी का सेवन और निष्क्रिय जीवन-शैली के कारण मोटापा, उच्च रक्तचाप और मधुमेह में वृद्धि हुई है।
* **तंबाकू और मदिरा का सेवन:** भारत तंबाकू उत्पादों का विश्व के प्रमुख उपभोक्ताओं में से एक है। धूम्रपान और बिना धुएं वाले तंबाकू दोनों ही **कैंसर, हृदय-रोग और श्वसन रोगों** का जोखिम बढ़ाते हैं।
* **पर्यावरणीय प्रदूषण:** वायु प्रदूषण गैर-संचारी रोगों का एक प्रमुख जोखिम कारक बन चुका है। प्रदूषित वायु के संपर्क से **दीर्घकालिक श्वसन रोग, हृदय संबंधी जटिलताएं और तंत्रिका संबंधी विकार** तक हो सकते हैं।
* **वृद्ध होती जनसंख्या:** स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार और जीवन प्रत्याशा में वृद्धि के कारण भारत में वृद्ध जनसंख्या तेजी से बढ़ रही है।

विकेंद्रीकृत नवीकरणीय ऊर्जा और महिला नेतृत्व

भारत की ऊर्जा क्रांति को नई दिशा

नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (MNRE) ने क्लीन एनर्जी एक्सेस नेटवर्क (CLEAN) के सहयोग से 9-11 फरवरी, 2026 को नई दिल्ली में इंडिया डिस्ट्रीब्यूटेड रिन्यूएबल एनर्जी समिट (IDRES) 2026 का आयोजन किया।

- इस सम्मेलन में **महिला-नेतृत्व वाली विकेंद्रीकृत नवीकरणीय ऊर्जा (DRE)** को भारत के **नेट-जीरो संक्रमण** के एक महत्त्वपूर्ण रणनीतिक स्तंभ के रूप में रेखांकित किया गया।

महिला-नेतृत्व वाली विकेंद्रीकृत नवीकरणीय ऊर्जा (Women-led DRE) क्या है?

- **महिला-नेतृत्व वाली विकेंद्रीकृत नवीकरणीय ऊर्जा** ऐसा मॉडल है जिसमें महिलाओं को विकेंद्रीकृत ऊर्जा प्रणालियों की **डिजाइनर, स्वामी, संचालक और निर्णय-निर्माता** के रूप में स्थापित किया जाता है।
- यह मॉडल **ऊर्जा उपलब्धता, आजीविका सृजन और लैंगिक समानता** को एकीकृत करता है तथा प्रायः **स्वयं सहायता समूहों (SHGs)** और महिला सामूहिक संगठनों के माध्यम से संचालित होता है।

भारत के लिए विमेन-लेड DRE क्यों महत्त्वपूर्ण है?

- **विश्वसनीयता की कमी को दूर करना:** यद्यपि ग्रिड कनेक्टिविटी का विस्तार हुआ है, परंतु ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली की निरंतरता अभी भी सीमित है। DRE आवश्यक सेवाओं के लिए **विश्वसनीय और गुणवत्तापूर्ण बिजली** उपलब्ध कराती है।
  - **उदाहरण:** छत्तीसगढ़ के ग्रामीण वन-सीमावर्ती गांवों में स्वास्थ्य केंद्रों को ऊर्जा उपलब्ध कराने हेतु DRE का उपयोग किया जाता है, जिससे **ग्रिड बाधित होने पर भी जीवनरक्षक टीकों का शीत-भंडारण** संभव हो पाता है।
- **समय के अभाव को दूर करना:** ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाएं प्रतिदिन **3-4 घंटे ईंधन-लकड़ी एकत्र करने** में व्यतीत करती हैं। DRE श्रम-साध्य कार्यों का स्वचालन कर शिक्षा, विश्राम या अन्य उत्पादक गतिविधियों के लिए समय उपलब्ध कराती है।
  - **उदाहरण:** ओडिशा में सौर-ऊर्जा संचालित रेशम रीलिंग मशीनों ने पारंपरिक श्रमसाध्य प्रक्रियाओं का स्थान ले लिया है।
- **ग्रामीण सुरक्षा को सुदृढ़ करना:** विश्वसनीय प्रकाश व्यवस्था के अभाव में अंधेरे के बाद महिलाओं की **गतिशीलता और सुरक्षा** सीमित हो जाती है।
  - **उदाहरण:** उत्तर प्रदेश के अनेक गांवों में **सौर-ऊर्जा चालित स्ट्रीट लाइटों** ने महिलाओं की शाम के समय सामुदायिक बैठकों और SHG गतिविधियों में भागीदारी बढ़ाई है।
- **जलवायु-लचीलापन बढ़ाना:** केंद्रीकृत विद्युत-ग्रिड चरम मौसमीय घटनाओं के प्रति संवेदनशील होते हैं, जबकि स्थानीय स्तर पर संचालित विकेंद्रीकृत प्रणालियां **समुदाय की ऊर्जा-सुरक्षा और लचीलापन** सुनिश्चित करती हैं।
  - **उदाहरण:** आंध्र प्रदेश के तटीय क्षेत्रों में हालिया चक्रवातों के दौरान महिला समूहों द्वारा संचालित सौर माइक्रो-ग्रिड मोबाइल चार्जिंग और आपातकालीन प्रकाश का प्रमुख स्रोत बने रहे।

महिला-नेतृत्व वाली विकेंद्रीकृत नवीकरणीय ऊर्जा (DRE) को प्रोत्साहित करने वाली पहलें

- **पीएम सूर्य घर योजना:** 2030 तक **10,000 सौर गांवों** की स्थापना का लक्ष्य, जिसमें समुदाय-आधारित और महिला-नेतृत्व प्रबंधन पर विशेष बल दिया गया है।
- **लखपति दीदी योजना:** क्रेडिट, कौशल और बाजार समर्थन के माध्यम से 3 करोड़ **"लखपति दीदी"** तैयार करने का लक्ष्य। कुछ क्षेत्रों में DRE को आजीविका सृजन के एक सहायक साधन के रूप में जोड़ा जा रहा है।
- **अंजोर विज़न 2047 (छत्तीसगढ़):** राज्य की एक समर्पित कार्य-योजना, जिसका उद्देश्य महिला-नेतृत्व हरित रोजगार और **"सोलर दीदी"** पहल के माध्यम से नवीकरणीय ऊर्जा की हिस्सेदारी को 66% तक बढ़ाना है।

प्रमुख चुनौतियां

- **प्रारंभिक पूंजीगत लागत अधिक होना:** सौर उपकरण, जैसे **बड़े दुग्ध शीतलक**, की लागत लगभग **₹25 लाख** तक हो सकती है। किफायती हरित ऋण सुविधाओं के अभाव में SHGs के लिए इन परियोजनाओं का विस्तार कठिन हो जाता है।
- **तकनीकी कौशल की कमी:** स्थानीय स्तर पर प्रशिक्षित **महिला तकनीशियनों** की कमी के कारण नवीकरणीय ऊर्जा प्रणालियों के रख-रखाव में विलंब होता है।
- **बाजार जागरूकता का अभाव:** कई ग्रामीण उद्यमी **DRE सब्सिडी योजनाओं** और उनके व्यावसायिक संभावनाओं से अनभिज्ञ हैं।

DRE की पूर्ण क्षमता का दोहन

- **नीतिगत ढांचे का निर्माण:** ऊर्जा परिसंपत्तियों का **प्राथमिक स्वामित्व महिलाओं को प्रदान करने** की व्यवस्था; जिस प्रकार उज्ज्वला योजना में एलपीजी कनेक्शन महिलाओं के नाम से दिए गए।
- **निजी निवेश के लिए सार्वजनिक निवेश का उपयोग:** सौर-ऊर्जा आधारित **खाद्य प्रसंस्करण**, कोल्ड-स्टोरेज और अन्य महिला-नेतृत्व उद्यमों में निजी निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए सार्वजनिक निधियों से जोखिम-न्यूनीकरण।
- **गैर-परंपरागत तकनीकी भूमिकाएं: "सोलर दीदी" या "ऊर्जा सखी"** जैसी प्रशिक्षित महिला तकनीशियनों का समूह विकसित करना, जो अंतिम-मील संचालन एवं रख-रखाव सेवाएं प्रदान कर सकें।
- ऊर्जा का उत्पादक उपयोग: महिला-नेतृत्व संस्थानों को मिलिंग, तेल निष्कर्षण और रेशम रीलिंग जैसी गतिविधियों के लिए सुलभ ऊर्जा उपलब्ध कराकर उनकी आय में वृद्धि करना। ■■

डीप टेक स्टार्टअप्स एवं भारत का विकास प्रतिमान

प्रौद्योगिकीय निर्भरता से नवाचार-आधारित आत्मनिर्भरता की ओर

भारत का स्टार्टअप पारितंत्र परंपरागत रूप से फिनटेक, सॉफ्टवेयर ऐज अ सर्विस (SaaS) और उपभोक्ता इंटरनेट प्लेटफॉर्मों के प्रभुत्व में रहा है। किंतु वैश्विक आपूर्ति शृंखला में व्यवधान, भू-राजनीतिक तनाव तथा कुछ चुनिंदा देशों में प्रौद्योगिकी का संकेन्द्रण, इन व्यवस्थाओं की संरचनात्मक कमजोरियों को उजागर करता है। भारत में डीप टेक स्टार्टअप की परिभाषा में हाल में किया गया संशोधन, जिसके अंतर्गत पात्रता अवधि को **20 वर्ष** तक बढ़ाया गया है तथा वार्षिक टर्नओवर की सीमा **300 करोड़ रुपये** निर्धारित की गई है, नीतिगत स्तर पर एक **संरचनात्मक परिवर्तन** का संकेत देता है।

डीप टेक स्टार्टअप्स क्या हैं?

- डीप टेक स्टार्टअप्स अनुसंधान प्रयोगशालाओं तथा उन्नत अभियांत्रिकीय पारितंत्र से विकसित **अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों का व्यावसायीकरण** करते हैं।
- इनकी कुछ विशिष्ट विशेषताएं होती हैं:
  - महत्वपूर्ण राजस्व अर्जन से पहले प्राय: **5-10 वर्षों का अनुसंधान चरण**
  - त्वरित लाभ वाली वेंचर पूंजी के बजाय **धैर्यपूर्ण दीर्घकालिक निवेश** की आवश्यकता
  - **उच्च जोखिम-उच्च प्रतिफल** वाले वातावरण में संचालन
- ऐसे स्टार्टअप्स **सुदृढ़ बौद्धिक संपदा** और प्रौद्योगिकीय क्षमताओं का निर्माण करते हैं, जो राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धात्मकता को सशक्त बनाते हैं।

भारत के डीप टेक पारितंत्र के प्रमुख क्षेत्र

- **सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स:** चिप डिजाइन व निर्माण, एम्बेडेड सिस्टम्स और उन्नत हार्डवेयर, महत्त्वपूर्ण अवयवों में आयात निर्भरता को कम करना।
- **जैव-प्रौद्योगिकी और चिकित्सा उपकरण:** वैक्सीन प्लेटफॉर्म, किफायती निदान प्रौद्योगिकियां, स्वदेशी मेडिकल उपकरण निर्माण।
- **कृत्रिम बुद्धिमत्ता और उन्नत कंप्यूटिंग:** AI अवसंरचना, रोबोटिक्स, उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटिंग प्रणालियां।
- **ऊर्जा और जलवायु प्रौद्योगिकियां:** ग्रीन हाइड्रोजन, बैटरी स्टोरेज, स्वच्छ ऊर्जा सामग्री।
- **अंतरिक्ष और रक्षा प्रौद्योगिकियां:** प्रक्षेपण प्रणालियां और उपग्रह प्रौद्योगिकियां, एयरोस्पेस इंजीनियरिंग, द्वि-उपयोगी रक्षा नवाचार।

भारत के डीप टेक पारितंत्र में हालिया प्रगति

सार्वभौमिक कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं कंप्यूट अवसंरचना

- इंडिया एआई मिशन के अंतर्गत **34,000 से अधिक ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट (GPUs)** रियायती दरों पर उपलब्ध कराए गए हैं।
- **सर्वम-1** जैसे स्वदेशी कृत्रिम बुद्धिमत्ता मॉडल विदेशी प्लेटफॉर्मों पर निर्भरता कम कर रहे हैं।

सेमीकंडक्टर निर्माण

- **धोलेरा सेमीकंडक्टर सुविधा** का लक्ष्य वर्ष 2026 तक **28 नैनोमीटर चिप्स** का उत्पादन करना है।
- चिप डिजाइन को निर्माण के लिए फाउंड्री तक भेजने की **'टेप-आउट' प्रक्रिया में स्थानीय सहयोग** उपलब्ध होने से फैबलेस भारतीय स्टार्टअप्स को प्रोत्साहन मिल रहा है।

अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी भागीदारी

- लगभग **8.4 अरब डॉलर की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था** में निजी कंपनियों की भागीदारी बढ़ रही है।

क्वांटम एवं जैव-निर्माण पहल

- **नेशनल क्वांटम मिशन** को प्रौद्योगिकी हब्स के माध्यम से क्रियान्वित किया जा रहा है।
- बायो-E3 नीति जैव-निर्माण अवसंरचना और सतत जैव-उत्पादन को प्रोत्साहित करती है।

डीप टेक स्टार्टअप्स नवाचार को कैसे आगे बढ़ा रहे हैं

- **बौद्धिक संपदा आधारित मूल्य सृजन:** सेवा-आधारित आउटसोर्सिंग से आगे बढ़कर पेटेंट-आधारित उद्यमों की स्थापना।
- **रणनीतिक स्वायत्तता:** संवेदनशील क्षेत्रों में आयातित प्रौद्योगिकियों पर निर्भरता में कमी।
- **विनिर्माण रूपांतरण:** असेंबली-आधारित विनिर्माण से **प्रौद्योगिकी-आधारित उत्पादन** की ओर संक्रमण।
- **वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता:** सीमित घरेलू समाधान के बजाय वैश्विक स्तर पर विस्तार योग्य प्रौद्योगिकियों का विकास।
- **ज्ञान प्रसार प्रभाव:** विश्वविद्यालय-उद्योग सहयोग को सुदृढ़ बनाना तथा प्रयोगशाला से बाजार तक प्रौद्योगिकी हस्तांतरण को प्रोत्साहन।

डीप टेक स्टार्टअप्स के समक्ष प्रमुख चुनौतियां

- **दीर्घ विकास अवधि:** राजस्व प्राप्ति में विलंब के कारण वित्तीय अंतराल उत्पन्न होना।
- **पूंजी की सीमाएं:** दीर्घकालिक और चरणबद्ध निवेश की सीमित उपलब्धता।
- **नियामकीय जटिलताएं:** जैव-प्रौद्योगिकी, रक्षा और हार्डवेयर क्षेत्रों में लंबी स्वीकृति प्रक्रियाएं।
- **खरीद प्रणाली की बाधाएं:** स्वदेशी नवाचार के लिए सरकारी एवं औद्योगिक खरीद की कमजोर व्यवस्था।
- **पारितंत्र की कमी:** गहन तकनीकी मार्गदर्शन और व्यावसायीकरण विशेषज्ञता का अभाव।

आगे की राह

- **पेशेंट कैपिटल मैकेनिज्म को सुदृढ़ करना:** डीप टेक केंद्रित निधियों और सार्वजनिक-निजी सह-निवेश मॉडल का विस्तार।
- **सार्वजनिक खरीद में सुधार:** स्वदेशी प्रौद्योगिकियों को अपनाने के लिए त्वरित सरकारी चैनलों का निर्माण।
- **प्रयोगशाला से बाजार तक संपर्क:** शैक्षणिक-औद्योगिक सहयोग तथा प्रौद्योगिकी हस्तांतरण कार्यालयों को प्रोत्साहन।
- **नियामकीय सैंडबॉक्स का विकास:** उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में नियंत्रित प्रयोग की अनुमति।
- **तकनीकी प्रतिभा शृंखला का निर्माण:** उन्नत STEM शिक्षा और अनुसंधान अवसंरचना में निवेश। ■■

राष्ट्रीय एवं सामाजिक परिदृश्य

न्यायपालिका

- फ्रीबीज से विकास बाधित: सुप्रीम कोर्ट का सख्त रुख
- ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु निर्देश
- मुआवजा बढ़ाकर अपराधियों की सजा घटाना अनुचित: सुप्रीम कोर्ट
- देश में भाईचारा बढ़ाएं राजनीतिक नेता: सुप्रीम कोर्ट
- सर्वोच्च न्यायालय ने SC/ST उप-वर्गीकरण निर्णय पर केंद्र से कार्रवाई रिपोर्ट मांगी

सामाजिक–आर्थिक विकास

- POSH ऐक्ट के सुचारु क्रियान्वयन हेतु शी-बॉक्स पोर्टल को बढ़ावा
- 2029-30 तक 6 करोड़ "लखपति दीदी" का लक्ष्य
- भारत में अंगदान और प्रत्यारोपण में ऐतिहासिक प्रगति
- बाल श्रम उन्मूलन पर छठा वैश्विक सम्मेलन
- साही और बोध: AI आधारित स्वास्थ्य पहलें
- **चर्चित शब्दावली:** टेंडर ईयर्स डॉक्ट्रिन
- AI आधारित नवाचारों से सार्वजनिक वितरण प्रणाली में परिवर्तन
- भारत का अधिकार-आधारित, जन-केंद्रित विकास मॉडल

सामाजिक न्याय

- जेंडर बजटिंग

न्यूज बुलेट्स

- मिलिट्री नर्सिंग सर्विस अधिकारियों को पूर्व सैनिक का दर्जा
- भूल जाने का अधिकार (Right to be Forgotten)
- पारंपरिक ज्ञान डिजिटल लाइब्रेरी (TKDL)
- वनाधिकार अधिनियम (FRA) सेल
- निजी विधेयक
- राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग (NCST)
- सांगतम जनजाति
- निगरानी ऐप
- राष्ट्रीय युवा संसद योजना वेब पोर्टल
- विटामिन B12 पर "PRIYA" परीक्षण
- सारगर्भित प्रस्ताव
- पीएम-सूरज पोर्टल
- राष्ट्रीय कर्मयोगी वृहद् जन सेवा कार्यक्रम
- पीएम-पोषण
- ग्राम पंचायतों के लिए क्षमता-निर्माण शृंखला
- पैकेज्ड खाद्य पदार्थों पर चेतावनी लेबल

न्यायपालिका

फ्रीबीज से विकास बाधित: सुप्रीम कोर्ट का सख्त रुख

19 फरवरी, 2026 को सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकारों द्वारा बिना आय-वर्ग का समुचित भेद किए फ्रीबीज देने की प्रवृत्ति पर कड़ी टिप्पणी की।

❖ **मामला:** न्यायालय की पीठ तमिलनाडु पावर डिस्ट्रीब्यूशन कॉरपोरेशन लिमिटेड द्वारा दायर उस याचिका की सुनवाई कर रही थी, जिसमें विद्युत संशोधन नियम, 2024 के नियम 23 को चुनौती दी गई है।

फ्रीबीज को लेकर सुप्रीम कोर्ट द्वारा व्यक्त चिंताएं

➲ **कल्याणकारी उपायों को प्राथमिकता**

- ✦ न्यायालय ने कहा कि राज्यों को अतार्किक फ्रीबीज वितरित करने के बजाय वास्तविक कल्याणकारी योजनाओं और विकास गतिविधियों को प्राथमिकता देनी चाहिए।
- ✦ यहां तक कि राजकोषीय घाटे वाले राज्यों में भी बिना समुचित योजना के ऐसी योजनाओं पर व्यय किया जा रहा है।

➲ **अवसंरचना एवं विकास पर ध्यान**

- ✦ पीठ ने प्रश्न उठाया कि क्या राज्यों की जिम्मेदारी नहीं है कि वे संसाधनों को अवसंरचना, सड़क, अस्पताल, स्कूल और मेडिकल कॉलेज जैसे आवश्यक क्षेत्रों में निवेश करें।

➲ **वास्तविक जरूरतमंदों को सहायता**

- ✦ राज्य का दायित्व है कि वह उन लोगों की सहायता करे जो बुनियादी आवश्यकताओं का वहन नहीं कर सकते।
- ✦ जो बच्चे शिक्षा का खर्च नहीं उठा सकते, उन्हें सहायता मिलनी चाहिए क्योंकि शिक्षा एक मौलिक अधिकार है।
- ✦ इस प्रकार के लक्षित एवं आवश्यकता-आधारित कल्याणकारी उपायों को न्यायालय ने आवश्यक और वैध बताया।

फ्रीबीज पर सुप्रीम कोर्ट के पूर्व अवलोकन

➲ **अश्विनी कुमार उपाध्याय बनाम भारत संघ (2022)**

- ✦ सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि फ्रीबीज के गंभीर राजकोषीय प्रभाव हो सकते हैं।
- ✦ नीति आयोग, भारतीय रिजर्व बैंक और वित्त आयोग जैसे संस्थानों को सम्मिलित कर एक विशेषज्ञ निकाय गठित करने का सुझाव दिया गया।
- ✦ न्यायालय ने वास्तविक कल्याणकारी योजनाओं और राजनीतिक रूप से प्रेरित फ्रीबीज के बीच अंतर करने की आवश्यकता रेखांकित की।

➲ **एस. सुब्रमण्यम बालाजी बनाम तमिलनाडु राज्य (2013)**

- ✦ सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि चुनावी घोषणापत्रों में वादा की गई फ्रीबीज जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के अंतर्गत "भ्रष्ट आचरण" नहीं मानी जाएंगी।

सार्वजनिक नीति

पर्यावरण एवं प्रौद्योगिकी विकास

आपदा पीड़ित पहचान (DVI) पर भारत के प्रथम राष्ट्रीय दिशानिर्देश

हाल ही में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने आपदा पीड़ित पहचान (Disaster Victim Identification–DVI) के लिए भारत के पहले राष्ट्रीय दिशानिर्देश जारी किए।

- इनका मुख्य उद्देश्य बड़े पैमाने पर होने वाली जनहानि की घटनाओं के दौरान मृतकों की वैज्ञानिक पहचान सुनिश्चित करना और मानवीय गरिमा के साथ उन्हें उनके परिजनों को सौंपना है।

आपदा पीड़ित पहचान (DVI) क्या है?

- DVI एक वैज्ञानिक और व्यवस्थित प्रक्रिया है, जिसके माध्यम से विमान दुर्घटना, भूकंप, बाढ़, अग्निकांड या औद्योगिक दुर्घटनाओं जैसी आपदाओं में मृतकों की पहचान की जाती है।
- **सटीक पहचान:** यह सुनिश्चित करता है कि मृतकों की पहचान में कोई त्रुटि न हो।
- **कानूनी प्रक्रिया:** परिवारों को कानूनी मृत्यु प्रमाण-पत्र और मुआवजा दिलाने में सहायता करता है।
- **जटिल मामलों में सहायक:** जब शव क्षत-विक्षत, विघटित या खंडित अवस्था में हों, तब यह प्रक्रिया अत्यंत प्रभावी होती है, जो गलत पहचान की संभावना को कम करता है।

DVI प्रक्रिया के चरण

- **रिकवरी:** आपदा स्थल से दस्तावेजीकरण के साथ शवों या उनके अवशेषों का व्यवस्थित संकलन।
- **पोस्ट-मॉर्टम डेटा:** अवशेषों का चिकित्सा और फोरेंसिक परीक्षण।
- **एंटे-मॉर्टम डेटा:** परिजनों व प्राधिकरणों से पीड़ित के व्यक्तिगत, चिकित्सीय, दंत एवं डीएनए अभिलेखों का संग्रह।
- **सामंजस्य:** दोनों प्रकार के आँकड़ों का मिलान कर पहचान की पुष्टि करना और सम्मानपूर्वक परिजनों को सौंपना।

भारत में प्रमुख चुनौतियाँ

- प्रशिक्षित फोरेंसिक विशेषज्ञों की कमी।
- एंटे-मॉर्टम अभिलेखों के त्वरित संकलन हेतु मानकीकृत प्रणाली का अभाव।
- आपदा स्थलों पर टैगिंग और दस्तावेजीकरण में असंगति।
- शवगृह एवं अवसंरचना की कमी।
- मृत्यु की कानूनी घोषणा एवं मुआवजे में विलंब।

नई सिफारिशें

- DVI अभियानों के लिए एकीकृत कमांड प्रणाली।
- पुलिस, स्वास्थ्य एवं फोरेंसिक टीमों के बीच बेहतर समन्वय।
- त्वरित पहचान हेतु राष्ट्रीय दंत डेटा रजिस्ट्री की स्थापना।
- शीघ्र मिलान के लिए डिजिटल अभिलेखों और बायोमेट्रिक तकनीकों का व्यापक उपयोग।

सूचना प्रौद्योगिकी (संशोधन) नियम, 2026

10 फरवरी, 2026 को इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यवर्ती दिशा-निर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) संशोधन नियम, 2026 अधिसूचित किया।

- ये नियम **वर्ष 2021** के **सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यवर्ती दिशा-निर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियमों** में संशोधन करते हैं।
- संशोधित प्रावधानों के माध्यम से **डिजिटल प्लेटफॉर्म** पर **एल्गोरिदम** अथवा **कृत्रिम बुद्धिमत्ता** आधारित कृत्रिम सामग्री (Synthetically Content) के नियमन को और अधिक सख्त किया गया है।
- यह नया ढांचा **20 फरवरी, 2026** से प्रभावी हो गया है, जिसके तहत **सिंथेटिक मीडिया** और **आपत्तिजनक सामग्री** को हटाने संबंधी मानकों को कड़ा बनाया गया है।

प्रमुख परिवर्तन

- **सिंथेटिक सामग्री की परिभाषा:** सिंथेटिक सामग्री से आशय ऐसे ऑडियो-विजुअल कंटेंट से है, जिसे एल्गोरिदम की सहायता से इस प्रकार तैयार या परिवर्तित किया गया हो कि वह वास्तविक व्यक्ति या वास्तविक घटना से अप्रभेद्य प्रतीत हो।
- **सामग्री हटाने की समय-सीमा:** संशोधित प्रावधानों के अनुसार, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सामग्री हटाने की समय-सीमा को काफी कम कर दिया गया है।
  - किसी न्यायालय या सक्षम सरकारी प्राधिकरण द्वारा अवैध घोषित सामग्री को अब **अधिकतम 3 घंटे** के भीतर हटाना अनिवार्य होगा, जबकि पहले यह अवधि **24 से 36 घंटे** तक थी।

रिपोर्ट एवं सूचकांक

राष्ट्रीय रिपोर्ट

रुपे एवं भीम-UPI लेनदेन प्रोत्साहन योजना का प्रभाव विश्लेषण

वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग (DFS) ने 13-14 फरवरी, 2026 को आयोजित चिंतन शिविर के दौरान "रुपे डेबिट कार्ड एवं अल्प-मूल्य वाले भीम-यूपीआई (पर्सन-टू-मर्चेंट) लेनदेन को बढ़ावा देने हेतु प्रोत्साहन योजना के सामाजिक-आर्थिक प्रभाव का विश्लेषण" नामक शीर्षक वाली एक रिपोर्ट जारी की।

❖ यह रिपोर्ट डिजिटल भुगतान को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार की प्रोत्साहन रूपरेखा के परिणामों का आकलन करती है, विशेषकर रुपे डेबिट कार्ड और कम-मूल्य भीम-यूपीआई लेनदेन के संदर्भ में।

प्रमुख निष्कर्ष

➲ **डिजिटल भुगतान अपनाने में वृद्धि**

- ✦ UPI सबसे पसंदीदा माध्यम (57% उपयोगकर्ता), नकद (38%) से काफी आगे।
- ✦ 65% UPI उपयोगकर्ता प्रतिदिन कई डिजिटल लेनदेन करते हैं।
- ✦ 18-25 आयु वर्ग में 66% लोग UPI को प्राथमिकता देते हैं।

➲ **व्यापारियों द्वारा अपनाने और अवसंरचना का विस्तार**

- ✦ छोटे व्यापारियों में UPI अपनाने की दर 94%, जिनमें से 72% संतुष्ट।
- ✦ डिजिटल लेनदेन लगभग 11 गुना बढ़े; UPI का हिस्सा 80% तक पहुँचा।

रुपे कार्ड एवं भीम-यूपीआई प्रोत्साहन योजना के सामाजिक-आर्थिक प्रभाव

➲ **अधिक वित्तीय समावेशन**

- ✦ यूपीआई और रुपे के तीव्र प्रसार ने लाखों उपभोक्ताओं और छोटे व्यापारियों को औपचारिक वित्तीय प्रणाली से जोड़ा है, विशेषकर वे जो पहले नकद लेनदेन पर निर्भर थे।

➲ **अर्थव्यवस्था का औपचारीकरण**

- ✦ डिजिटल लेनदेन सत्यापन योग्य वित्तीय कड़ियां (Financial Trails) उत्पन्न करते हैं, जिससे अनौपचारिक नकद आधारित लेनदेन में कमी आती है और पारदर्शिता तथा कर-अनुपालन में सुधार होता है।

➲ **व्यवसायिक दक्षता में सुधार**

- ✦ डिजिटल भुगतान तीव्र लेनदेन को सक्षम बनाता है, नकद संभालने से जुड़े जोखिमों और लागत को कम करता है, और व्यापारियों को बिक्री और आय का सटीक रिकॉर्ड बनाए रखने में सहायता करता है।

➲ **फिनटेक पारितंत्र का विस्तार**

- ✦ डिजिटल भुगतान के विस्तार ने फिनटेक कंपनियों, भुगतान अनुप्रयोगों और नई वित्तीय सेवाओं में नवाचार और वृद्धि को प्रोत्साहित किया है, जिससे डिजिटल अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ता मिली है।

प्रशिक्षुता पारितंत्र के पुनरुद्धार पर नीति आयोग की रिपोर्ट

20 फरवरी, 2026 को नीति आयोग ने "प्रशिक्षुता पारितंत्र का पुनरुद्धार: अंतर्दृष्टि, चुनौतियां, सिफारिशें एवं सर्वोत्तम प्रथाएँ" (Revitalizing Apprenticeship Ecosystem: Insights, Challenges, Recommendations and Best Practices) शीर्षक से एक नीतिगत रिपोर्ट जारी की।

❖ यह रिपोर्ट भारत में प्रशिक्षुता व्यवस्था (Apprenticeship Landscape) की वर्तमान स्थिति का व्यापक विश्लेषण प्रस्तुत करती है।

प्रमुख निष्कर्ष

➲ **राज्य स्तरीय असमानताएं**

- ✦ प्रशिक्षुता (अप्रेंटिसशिप) में भागीदारी कुछ राज्यों में अत्यधिक केंद्रित है।
- ✦ वित्तीय वर्ष 2024-25 में राष्ट्रीय अप्रेंटिसशिप प्रोत्साहन योजना (NAPS) के अंतर्गत कुल अप्रेंटिसशिप में गुजरात का योगदान 24.18% रहा।

➲ **अग्रणी राज्य**

- ✦ औद्योगिक रूप से विकसित राज्य- गुजरात, महाराष्ट्र, हरियाणा, तमिलनाडु और कर्नाटक अप्रेंटिसशिप सहभागिता में अग्रणी हैं।

➲ **क्षेत्रीय पिछड़ापन**

- ✦ कई राज्य और केंद्र शासित प्रदेश नेशनल पूल में 0.001% से भी कम योगदान देते हैं, जो क्षेत्रीय असमानताओं को दर्शाता है।

कल्याणकारी योजनाएं

उद्योग एवं व्यापार

स्टार्टअप इंडिया फंड ऑफ फंड्स 2.0 को कैबिनेट की मंजूरी

13 फरवरी, 2026 को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने ₹10,000 करोड़ के कोष के साथ स्टार्टअप इंडिया फंड ऑफ फंड्स 2.0 (FoF 2.0) की स्थापना को स्वीकृति प्रदान की।

स्टार्टअप इंडिया फंड ऑफ फंड्स 2.0 क्या है?

- यह नया कोष **'स्टार्टअप इंडिया' अभियान** के अंतर्गत शुरू किया गया है।
- पिछले लगभग एक दशक में भारत को विश्व के अग्रणी स्टार्टअप राष्ट्रों में स्थापित करने के प्रयासों को यह अगला चरण प्रदान करता है।
- **उद्देश्य:** देश के स्टार्टअप पारिस्थितिक तंत्र को सशक्त एवं विस्तारित करने हेतु उद्यम पूंजी (Venture Capital) को आकर्षित एवं संचालित करना।

प्रमुख विशेषताएं

- उच्च-प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में उन नवाचारों को प्राथमिकता देगा, जिन्हें दीर्घकालिक और धैर्यपूर्ण पूंजी की आवश्यकता होती है।
- नई और अभिनव अवधारणाओं के लिए सुरक्षा कवच उपलब्ध कराना, ताकि प्रारंभिक चरण में पूंजी के अभाव से होने वाली विफलताओं को कम किया जा सके।
- महानगरों से आगे बढ़कर देश के विभिन्न क्षेत्रों में निवेश को प्रोत्साहन देना, जिससे नवाचार हर कोने तक पहुँचे।
- आत्मनिर्भरता और आर्थिक विकास के लिए महत्त्वपूर्ण प्राथमिकता क्षेत्रों में अधिक पूंजी का प्रवाह करना।
- घरेलू उद्यम पूंजी आधार को मजबूत करना, विशेषकर छोटे फंड्स को सशक्त बनाकर निवेश परिदृश्य को व्यापक बनाना।

संभावित प्रभाव

- यह कोष भारत की नवाचार-आधारित विकास रणनीति को उल्लेखनीय गति देगा।
- आर्थिक लचीलापन बढ़ाने, विनिर्माण क्षमताओं को सुदृढ़ करने और उच्च गुणवत्ता वाले रोजगार सृजन में सहायक होगा।
- भारत को वैश्विक नवाचार केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।
- 'विकसित भारत@2047' के लक्ष्य के अनुरूप यह पहल उद्यमियों को सशक्त बनाने, नवाचार को प्रोत्साहित करने और स्टार्टअप पारिस्थितिक तंत्र को मजबूत करने की सरकार की प्रतिबद्धता को पुनः पुष्ट करती है।

सामाजिक कल्याण

पीएम राहतः सड़क दुर्घटना पीड़ितों हेतु कैशलेस उपचार

14 फरवरी, 2026 को केंद्र सरकार ने सड़क दुर्घटना पीड़ितों को देशभर में कैशलेस और समयबद्ध चिकित्सा उपचार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 'पीएम राहत' [PM RAHAT (Road Accident Victim Hospitali±tion and Assured Treatment)] योजना की शुरुआत की।

योजना की आवश्यकता

- भारत में प्रत्येक वर्ष बड़ी संख्या में सड़क दुर्घटना से मृत्यु होती है, जिनमें से कई को समय पर चिकित्सा हस्तक्षेप से रोका जा सकता है।
- अध्ययनों के अनुसार, यदि पीड़ितों को **पहले एक घंटे (गोल्डन आवर)** के भीतर अस्पताल में भर्ती करा दिया जाए, तो लगभग 50% सड़क दुर्घटना मौतों को टाला जा सकता है।

पीएम राहत योजनाः प्रमुख विशेषताएं

- यह सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिए राष्ट्रीय स्तर की कैशलेस उपचार योजना है, जिसका उद्देश्य गोल्डन ऑवर के दौरान तत्काल चिकित्सा उपचार सुनिश्चित करना है।
- **कैशलेस उपचार सुविधा:** योजना के तहत प्रत्येक पात्र सड़क दुर्घटना पीड़ित को दुर्घटना की तिथि से **7 दिनों** तक **₹1.5 लाख** तक का **निशुल्क (कैशलेस) उपचार** प्रदान किया जाएगा।
- **क्रियान्वयन एवं पहुंच:** यह योजना प्रौद्योगिकी-आधारित तंत्र के माध्यम से संचालित होगी, जिससे दुर्घटना की सूचना से लेकर क्लेम निपटान तक निर्बाध डिजिटल समन्वय सुनिश्चित होगा। इसमें निम्नलिखित शामिल हैं:
  - **इलेक्ट्रॉनिक डिटेल्ड एक्सीडेंट रिपोर्ट (eDAR) प्लेटफॉर्म:** सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा विकसित।

विरासत एवं संस्कृति

कला एवं संस्कृति

- भारत की कठपुतलियों पर स्मारक डाक टिकट
- ओल चिकी लिपि के 100 वर्ष
- रॉयल इंडियन नेवी विद्रोह की 80वीं वर्षगांठ
- नानेघाट गुफाएं
- चेन्नाकेशव मंदिर
- देवनीमोरी अवशेष
- लोसर उत्सव

व्यक्तित्त्व

- महर्षि दयानंद सरस्वती

न्यूज बुलेट्स

- खुला (Khula)
- हेरथ पोशते : कश्मीरी पंडितों की आस्था और परंपरा का उत्सव
- थाई पूसम
- मिस्र में तमिल-ब्राह्मी अभिलेखों की खोज

भारत की कठपुतलियाँ PUPPETS OF INDIA

कला एवं संस्कृति

भारत की कठपुतलियों पर स्मारक डाक टिकट

13 फरवरी, 2026 को डाक विभाग ने नई दिल्ली स्थित इंडिया हैबिटैट सेंटर में "भारत की कठपुतलियों" (Puppets of India) पर 8 स्मारक डाक टिकटों का एक सेट जारी किया।

भारत में कठपुतली कला

- भारत में कठपुतली कला (Puppetry) देश की सबसे प्राचीन और जीवंत कथावाचन परंपराओं में से एक है, जो इसकी सांस्कृतिक विविधता और कलात्मक सृजनशीलता को अभिव्यक्त करती है।
- पारंपरिक भारतीय कठपुतली कला को व्यापक रूप से चार रूपों में वर्गीकृत किया जाता है- **धागा (स्ट्रिंग) कठपुतली, हस्त (ग्लव) कठपुतली, छड़ी (रॉड) कठपुतली** तथा **छाया (शैडो) कठपुतली**।
- प्रत्येक शैली की अपनी विशिष्ट प्रस्तुति और क्षेत्रीय विशेषताएं होती हैं।

डाक टिकटों में प्रदर्शित 8 कठपुतली परंपराएं

कठपुतली (राजस्थान)

- यह राजस्थान की पारंपरिक **धागा-आधारित कठपुतली कला** है।
- **विषयवस्तु:** परंपरागत रूप से भ्रमणशील कलाकारों द्वारा **राजपूत राजाओं, वीर योद्धाओं, लोक-नायकों** और **नैतिक कथाओं** का मंचन।

यक्षगान सूत्रदा गोम्बेयट्टा (कर्नाटक)

- इन कठपुतलियों का रूपांकन **यक्षगान रंगमंच** के पात्रों पर आधारित होता है।
- इसकी विशेषता यह है कि एक कठपुतली को नियंत्रित करने में एक से अधिक कलाकार भाग लेते हैं।

डांगेर पुतुल (पश्चिम बंगाल)

- पारंपरिक **छड़ी-आधारित कठपुतली कला**, जो बंगाल की सबसे प्राचीन शैलियों में से एक है।
- इसका मंचन प्राय: ऊंचे मंच पर नाटकीय कथावाचन और लोकसंगीत के साथ किया जाता है।

काठी कुंधेई (ओडिशा)

- कलाकार एक **त्रिकोणीय लकड़ी** के सहारे से जुड़ी डोरियों के माध्यम से कठपुतली को संचालित करते हैं।
- संगीत में स्थानीय लोकधुनों के साथ कभी-कभी **ओडिसी नृत्य** संगीत का प्रभाव भी दिखाई देता है।

बेनिर पुतुल (पश्चिम बंगाल)

- यह **हस्त कठपुतली** की शैली है।
- कलाकार कठपुतली के भीतर हाथ डालकर उंगलियों की सहायता से उसके भाव और गतियां नियंत्रित करता है।

अर्थव्यवस्था के मूल सिद्धांत

- MoSPI ने आधार वर्ष 2024 के साथ नई CPI शृंखला जारी की

कृषि एवं संबंधित क्षेत्र

- भारत-VISTAAR
- छोटे किसानों के लिए एकीकृत कृषि प्रणाली
- भारत बना विश्व का सबसे बड़ा चावल उत्पादक देश

उद्योग एवं व्यवसाय

- MSMEs: भारत की वैश्विक विकास रणनीति का मूलाधार
- स्टार्टअप मान्यता रूपरेखा में संशोधन
- निर्यात संवर्धन मिशन के अंतर्गत 7 नयी पहलों की शुरुआत
- पूंजीगत वस्तु क्षेत्र का सुदृढ़ीकरण
- रासायनिक पार्क: रासायनिक विनिर्माण पारितंत्र को गति देने की पहल

बैंकिंग, वित्तीय सेवा एवं बीमा (BFSI)

- म्युनिसिपल बॉन्ड: आत्मनिर्भर शहरों की दिशा में एक मार्ग
- गुजरात में CBDC-आधारित डिजिटल फूड कूपन पायलट का शुभारंभ

संसाधन

- रेयर अर्थ पारितंत्र को सुदृढ़ करने की पहल
- अवैध रैट-होल खनन: चुनौतियाँ एवं परिप्रेक्ष्य
- **फैक्ट शीट:** भारतीय वस्त्र क्षेत्र

अवसंरचना विकास

- राष्ट्रीय परिसंपत्ति मुद्रीकरण पाइपलाइन 2.0 (NMP 2.0)
- भारत टैक्सी (Bharat Taxi): भारत की पहली सहकारी-आधारित टैक्सी सेवा
- ग्रेट निकोबार द्वीप मेगा-अवसंरचना परियोजना

न्यूज बुलेट्स

- डेमवे लोअर जलविद्युत परियोजना
- ट्विन ट्यूब रोड-कम-रेल सुरंग परियोजना
- ऑफशोर पवन ऊर्जा
- तुलबुल नौवहन बैराज परियोजना
- 'युवा एआई फॉर ऑल' पहल के अंतर्गत 'कौशल रथ'
- लीड बैंक योजना के लिए RBI के संशोधित दिशा-निर्देश
- कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण
- कृषि अवसंरचना कोष
- ओपन एकरेज लाइसेंसिंग नीति (OALP)
- सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (SGB)
- न्यूनतम वैकल्पिक कर (MAT)

अर्थव्यवस्था के मूल सिद्धांत

MoSPI ने आधार वर्ष 2024 के साथ नई CPI शृंखला जारी की

12 फरवरी, 2026 को, सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (MoSPI) ने अद्यतन आधार वर्ष 2024 पर आधारित नई उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI) शृंखला के आँकड़े जारी किए।

- **घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण (Household Consumption Expenditure Survey-HCES)** 2023-24 के आंकड़ों का उपयोग करते हुए CPI के आधार वर्ष को 2012 से संशोधित कर 2024 कर दिया गया है।

इस नई CPI शृंखला की आवश्यकता क्यों?

- पूर्ववर्ती CPI शृंखला 2012 के आधार वर्ष और 2011-12 के सर्वेक्षण से प्राप्त **उपभोग पैटर्न** पर आधारित थी, जो अब वर्तमान आर्थिक वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित नहीं करती थी।
- विगत एक दशक में भारत की अर्थव्यवस्था में कई संरचनात्मक परिवर्तन हुए हैं, जैसे:
  - तीव्र शहरीकरण
  - सेवा क्षेत्र का विस्तार
  - डिजिटल प्लेटफॉर्म एवं ऑनलाइन क्रय-विक्रय में वृद्धि
  - घरेलू व्यय संरचना का विविधीकरण
- अत: **मुद्रास्फीति का मापन (Inflation measurement)** वर्तमान उपभोग की वास्तविकताओं पर आधारित होना चाहिए, न कि पुरानी अप्रचलित उपभोग की टोकरी (Outdated baskets) पर।

नई CPI शृंखला में प्रमुख संरचनात्मक परिवर्तन

- **अंतरराष्ट्रीय वर्गीकरण का अंगीकरण:** नई शृंखला COICOP 2018 (Classification of Individual Consumption According to Purpose) ढांचे के अनुरूप 12 उपभोग विभाजन को अपनाती है।
- **मदों (Items) के कवरेज का विस्तार:** कुल मदों की संख्या 299 से बढ़ाकर 358 कर दी गई है, जिसमें उत्पाद 259 से बढ़कर 308 और सेवाएँ 40 से बढ़कर 50 हो गई हैं।
- संशोधित भार संरचना (Revised Weight Structure):
  - **खाद्य और पेय पदार्थ:** इनका भार 45.86% से घटाकर 36.75% कर दिया गया है।
  - **निहितार्थ:** इससे हेडलाइन मुद्रास्फीति (Headline inflation) में अस्थिरता कम हो सकती है, क्योंकि खाद्य कीमतें आमतौर पर अस्थिर होती हैं। हालांकि, खाद्य श्रेणी अब भी CPI का सबसे बड़ा घटक बनी हुई है।
  - **आवास (विस्तारित श्रेणी):** इसका भार 10.07% से बढ़ाकर 17.67% कर दिया गया है। अब इसमें जल, बिजली, गैस और अन्य ईंधनों को भी शामिल किया गया है। साथ ही इसमें ग्रामीण क्षेत्रों में मकान के किराये को भी पहली बार प्रस्तुत किया गया है।

अंतरराष्ट्रीय संबंध व संगठन

चर्चित संधि एवं समझौते

- भारत अमेरिका-नेतृत्व वाले पैक्स सिलिका गठबंधन में शामिल
- न्यू स्टार्ट संधि की समाप्ति: क्या विश्व एक नई परमाणु हथियार स्पर्धा की ओर अग्रसर है?
- **चर्चित शब्दावली:** प्रोजेक्ट वॉल्ट (Project Vault)

वैश्विक समूह/गठबंधन

- नेटो का "आर्कटिक सेंट्री" मिशन
- भारत-GCC मुक्त व्यापार समझौता

द्विपक्षीय संबंध

- गूगल की "अमेरिका-इंडिया कनेक्ट" पहल
- भारत-यूके अपतटीय पवन टास्कफोर्स
- भारत-फ्रांस "विशेष वैश्विक रणनीतिक साझेदारी"
- भारत-इजराइल "विशेष रणनीतिक साझेदारी"
- भारत-ब्राजील शिखर वार्ता: रणनीतिक साझेदारी को नई दिशा
- भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौता रूपरेखा
- भारत-मलेशिया द्विपक्षीय संबंधों को नई गति
- भारत-सेशेल्स संबंध: बहु-आयामी सहयोग का विस्तार
- भारत-यूके सामाजिक सुरक्षा समझौता
- भारत-ग्रीस रक्षा सहयोग समझौता

न्यूज बुलेट्स

- प्रधानमंत्री मोदी को स्पीकर ऑफ द नेसेट मेडल
- भारत-आयरलैंड बैठक: दूरसंचार और डिजिटल प्रौद्योगिकियों पर सहयोग
- भारत-कजाकिस्तान: रणनीतिक साझेदारी की समीक्षा
- हिंद महासागर नौसैन्य संगोष्ठी (IONS)
- स्वीडन-भारत प्रौद्योगिकी एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता कॉरिडोर (SITAC)
- अमेरिकी 'बोर्ड ऑफ पीस'
- भारत-नेपाल: वन एवं जैव विविधता संरक्षण पर समझौता
- AI इंपैक्ट पर नई दिल्ली घोषणा में 3 और देश शामिल
- अमेरिका का इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर्स एक्ट
- पाकिस्तान द्वारा अफगान तालिबान के विरुद्ध "ओपेन वॉर"
- भारत-दक्षिण कोरिया विदेश नीति एवं सुरक्षा संवाद
- भारत-हंगरी विदेश कार्यालय परामर्श
- अमेरिका-आर्मेनिया असैन्य परमाणु सहयोग समझौता
- भारत-नीदरलैंड हाइड्रोजन फेलोशिप कार्यक्रम का शुभारंभ
- भारत, ब्रिक्स औद्योगिक दक्षता केंद्र (BCIC) में शामिल हुआ

मानचित्र अध्ययन

- कनाडा
- बहरीन

चर्चित संधि एवं समझौते

भारत अमेरिका-नेतृत्व वाले पैक्स सिलिका गठबंधन में शामिल

20 फरवरी, 2026 को नई दिल्ली में आयोजित इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट के दौरान भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका ने पैक्स सिलिका घोषणा (Pax Silica Declaration) पर हस्ताक्षर किए।

- इसके साथ ही भारत औपचारिक रूप से पैक्स सिलिका पहल में शामिल हो गया।
- यह कदम भारत को उन देशों के समूह के साथ जोड़ता है जो **महत्वपूर्ण खनिजों, सेमीकंडक्टर** और **कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) प्रौद्योगिकी** से संबंधित आपूर्ति श्रृंखलाओं को अधिक सुदृढ़ और विश्वसनीय बनाने पर कार्य कर रहे हैं।

पैक्स सिलिका क्या है?

- दिसंबर 2025 में शुरू की गई यह अमेरिका-नेतृत्व वाली पहल महत्वपूर्ण खनिजों और AI अवसंरचना की आपूर्ति श्रृंखलाओं को सुरक्षित और विविधीकृत करने के उद्देश्य से बनाई गई है।
- इसका उद्देश्य समान विचारधारा वाले लोकतांत्रिक देशों के बीच विश्वसनीय और नवाचार-प्रेरित प्रौद्योगिकीय पारिस्थितिक तंत्र विकसित करना है।
- यह विशेष रूप से **सिलिकॉन (सेमीकंडक्टर का मूल पदार्थ),** दुर्लभ भू-तत्व और उन्नत चिप प्रौद्योगिकियों पर केंद्रित है।
- यह पहल 21वीं सदी में तेल-आधारित भू-राजनीति से सिलिकॉन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित भू-राजनीति की ओर हो रहे परिवर्तन को भी रेखांकित करती है।

भारत की भागीदारी के प्रमुख उद्देश्य

- **आपूर्ति श्रृंखला सुदृढ़ता:** दुर्लभ भू-तत्वों और महत्वपूर्ण खनिजों के लिए चीन पर अत्यधिक निर्भरता को कम करना।
- **सेमीकंडक्टर सुरक्षा:** चिप निर्माण और उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए आवश्यक कच्चे पदार्थों की स्थिर उपलब्धता सुनिश्चित करना।
- **AI अवसंरचना:** वैश्विक AI हार्डवेयर और कम्प्यूटिंग पारिस्थितिक तंत्र में भारत की स्थिति को सुदृढ़ करना।
- **विश्वसनीय साझेदारी:** अमेरिका, जापान, दक्षिण कोरिया और यूरोपीय साझेदारों के साथ प्रौद्योगिकीय सहयोग को गहरा करना।

भू-राजनीतिक महत्त्व

- **संरेखण के साथ रणनीतिक स्वायत्तता:** यह पहल भारत को किसी एक शक्ति पर अत्यधिक निर्भर हुए बिना अपनी आपूर्ति निर्भरताओं को विविध बनाने का अवसर देती है।
- **प्रौद्योगिकी शासन में भूमिका:** कृत्रिम बुद्धिमत्ता और सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखलाओं से जुड़े वैश्विक मानकों के निर्माण में भारत के प्रभाव का विस्तार होगा।
- **सुरक्षा आयाम:** उन्नत चिप और कृत्रिम बुद्धिमत्ता को अब राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक शक्ति के महत्वपूर्ण घटक के रूप में देखा जा रहा है।

सतत विकास

- राष्ट्रीय राजमार्गों के किनारे "मधुमक्खी गलियारों" का विकास
- इंडिया डिस्ट्रीब्यूटेड रिन्यूएबल एनर्जी समिट, 2026
- भारत में अब 98 रामसर आर्द्रभूमि स्थल

जलवायु परिवर्तन

- जलवायु परिवर्तन के बावजूद "प्रजाति विस्थापन" गति में गिरावट
- **चर्चित शब्दावली:** मानसून विच्छेद

जैव विविधता

- उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व में "हॉर्नबिल रेस्टोरेंट" पहल
- CMFRI द्वारा मैंग्रोव क्लैम का प्रेरित प्रजनन सफल
- दो नई समुद्री "बायो-वॉरियर" कृमि प्रजातियों की खोज
- **चर्चित शब्दावली:** कार्यात्मक विविधता
- **फैक्ट शीट:** ऊर्जा स्रोतों का बदलता परिदृश्य
- **चर्चित शब्दावली:** की-स्टोन प्रजाति

आपदा प्रबंधन

- हीटवेव एवं आकाशीय बिजली को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने की अनुशंसा

न्यूज बुलेट्स

- लॉगरहेड समुद्री कछुए पर जलवायु परिवर्तन का खतरा
- स्मूथ-कोटेड ऑटर्स
- नई पिस्टल श्रिम्प प्रजाति
- एनजीटी ने सुआव नदी का दर्जा बहाल करने का आदेश दिया
- जेंटू पेंगुइन में H5N1 की पुष्टि
- लक्षद्वीप में खोजी गई 'स्क्वाट लॉब्स्टर' की नई प्रजाति
- आर्मी ऐंट्स की दो नई प्रजातियों की खोज
- ट्रैपडोर मकड़ी की नई प्रजाति की खोज
- बायोफैच 2026 में मेघालय की भागीदारी
- पेरू के क्लाउड फॉरेस्ट में मेंढक की नई प्रजाति की खोज
- असम के गर्भांगा रिजर्व फॉरेस्ट में चींटी की नई प्रजाति की खोज
- केरल में ड्रैगनफ्लाई की नई प्रजाति की पहचान
- डिक्लिप्टेरा पाखालिका नामक पुष्पीय पौधे की नई प्रजाति की खोज
- काजीरंगा: एक-सींग वाले गैंडों का अंतिम सुरक्षित दुर्ग
- टर्टल ट्रेल्स

सतत विकास

राष्ट्रीय राजमार्गों के किनारे "मधुमक्खी गलियारों" का विकास

17 फरवरी, 2026 को भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) ने एक अनूठी पहल की घोषणा की, जिसके तहत राष्ट्रीय राजमार्गों के किनारे पॉलिनेटर कॉरिडोर या "मधुमक्खी गलियारे" (Bee Corridors) बनाए जाएँगे, ताकि मधुमक्खियों और अन्य परागणकर्ताओं का संरक्षण हो सके और पारिस्थितिकीय धारणीयता को बढ़ावा मिले।

बी कॉरिडोर क्या हैं?

- इसमें राजमार्गों के किनारे **मधुमक्खी-अनुकूल पौधों** की निरंतर पट्टियां विकसित की जाती हैं।
- इनमें **पराग** और **मधु (nectar)** से समृद्ध देशज प्रजातियों को प्राथमिकता दी जाती है।
- इन्हें इस प्रकार डिजाइन किया जाता है कि पूरे वर्ष फूल खिलते रहें और भोजन की सतत उपलब्धता बनी रहे।
- इनमें **सूखी लकड़ी** और **खोखले तनों** जैसे प्राकृतिक तत्व भी शामिल किए जाते हैं।
- इस पहल का उद्देश्य परागणकर्ताओं पर बढ़ते पारिस्थितिक दबाव को कम करना है।

परागणकर्ताओं (Pollinators) का महत्त्व

- मधुमक्खियां कृषि फसलों और जंगली पौधों के परागण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।
- परागण का कृषि उत्पादकता पर प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ता है।
- स्वस्थ परागणकर्ता समुदाय पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने में सहायक होता है।
- मधुमक्खियों की संख्या में गिरावट खाद्य सुरक्षा और जैव-विविधता के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न करती है।

देशज प्रजातियां और वृक्षारोपण डिजाइन

- चयनित प्रजातियों में **नीम, करंज, महुआ, पलाश, बॉटल ब्रश, जामुन** और **सिरिस** शामिल हैं।
- वृक्षारोपण का डिजाइन विभिन्न ऋतुओं में **क्रमिक पुष्पन** (staggered flowering) सुनिश्चित करता है।
- फूल देने वाली खरपतवारों को प्राकृतिक रूप से खिलने दिया जाएगा।
- इससे मधुमक्खियों के लिए लगभग निरंतर मधु-उपलब्धता चक्र निर्मित होगा।

कार्यान्वयन रणनीति

- उपयुक्त राजमार्ग खंडों के किनारे बी कॉरिडोर विकसित किए जाएंगे।
- हर **500 मीटर** से **1 किमी** की दूरी पर फूलदार वृक्षों के समूह लगाए जाएंगे।

जैव प्रौद्योगिकी

- LSDs के लिए राष्ट्रीय बायोबैंक
- **चर्चित शब्दावली:** मोल्टबुक (Moltbook) प्लेटफॉर्म

मूलभूत विज्ञान

- स्वदेशी टिटनेस एंड एडल्ट डिफ्थीरिया (Td) वैक्सीन का शुभारंभ
- फ्लोरोसेंट प्रोटीन: जीवित कोशिकाओं में क्वांटम सेंसर के समान भूमिका
- दुर्लभ मेंटल भूकम्पों का वैश्विक मानचित्र

रक्षा प्रौद्योगिकी

- INS कृष्णा का जलावतरण
- सॉलिड फ्यूल डक्टेड रैमजेट (SFDR) प्रौद्योगिकी
- अग्नि-III मिसाइल का सफल परीक्षण

क्वांटम प्रौद्योगिकी

- L&T को भारत की LIGO ऑब्जर्वेटरी बनाने का अनुबंध मिला

अंतरिक्ष विज्ञान

- गगनयान मिशन हेतु ड्रोग पैराशूट का सफल परीक्षण
- "इनसाइड-आउट" ग्रह प्रणाली ने ग्रह-निर्माण सिद्धांतों को दी चुनौती

ऊर्जा प्रौद्योगिकी

- नवीन कैथोड पदार्थ से जिंक-आयन बैटरियों की क्षमता में वृद्धि
- सूर्यप्रकाश से संचालित स्व-चार्जिंग ऊर्जा भंडारण उपकरण
- कार्बन संग्रहण, उपयोग एवं भंडारण (CCUS)

सूचना प्रौद्योगिकी

- लद्दाख में नए टेलीस्कोप प्रकल्प
- **चर्चित शब्दावली:** सास्पोकैलिप्स (SaaSpocalypse)
- INCOIS द्वारा 3 नई समुद्री सूचना सेवाओं की शुरुआत
- **चर्चित शब्दावली:** बायो-एआई 'मूलांकुर' हब

न्यूज बुलेट्स

- शालीमार व्हीट-4 और शालीमार व्हीट-3
- ओपन-सोर्स, एंड-टू-एंड वॉयस एआई स्टैक का अनावरण
- चंद्रयान-4 मिशन के लिए लैंडिंग स्थल की पहचान

जैव प्रौद्योगिकी

LSDs के लिए राष्ट्रीय बायोबैंक

फरवरी 2026 में, भारतीय शोधकर्ताओं ने अनुसंधान, स्क्रीनिंग और उपचार विकास को सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से, 'लाइसोसोमल स्टोरेज डिसऑर्डर' (LSDs) को समर्पित भारत का पहला सरकार-समर्थित राष्ट्रीय बायोबैंक तैयार किया है।

लाइसोसोमल स्टोरेज डिसऑर्डर (LSDs) क्या हैं?

- LSDs दुर्लभ वंशानुगत उपापचयी विकार (Rare Inherited Metabolic Disorders) हैं, जो शरीर की कोशिकाओं में एंजाइम की कमी के कारण उत्पन्न होते हैं।
- इन एंजाइमों की कमी के कारण कोशिकाओं के अंदर **विषाक्त वसा** और **शर्करा का संचय** होने लगता है।

बायोबैंक पहल का पैमाना

- इस **बायोबैंक** ने **15 राज्यों** के **530 रोगियों** के जैविक नमूने एकत्र किए हैं।
- यह **नैदानिक (Clinical), जैव-रासायनिक (Biochemical)** और **आनुवंशिक आँकड़ों** को एकीकृत करता है, जिससे दुर्लभ आनुवंशिक विकारों के अनुसंधान के लिए एक केंद्रीकृत राष्ट्रीय संसाधन का निर्माण होता है।
- इसे **6 राज्यों** और **2 केंद्र शासित प्रदेशों** के 28 संस्थानों द्वारा संकलित किया गया है।
- इसका नेतृत्व **'फाउंडेशन फॉर रिसर्च इन जेनेटिक्स एंड एंडोक्रिनोलॉजी' (FRIGE), अहमदाबाद** द्वारा किया गया है और इसे **जैव प्रौद्योगिकी विभाग** द्वारा वित्तपोषित किया गया है।

भारत में LSD रोगियों का भार

- भारत भर में अनुमानित **12,000 से अधिक रोगी** इससे प्रभावित हैं।
- वैश्विक स्तर पर **70 से अधिक** प्रकार के LSDs की पहचान की गई है।
- इन दुर्लभ बीमारियों में से केवल कुछ के लिए ही उपचार उपलब्ध है।
- जहाँ उपचार उपलब्ध है, वहां वार्षिक लागत ₹1 करोड़ से अधिक हो सकती है।

वर्तमान उपचार स्थिति

- दर्ज किए गए लगभग 60% रोगियों की मृत्यु बीमारी की गंभीरता के कारण हो चुकी है।
- 530 में से केवल 8 रोगी वर्तमान में उपचार प्राप्त कर रहे हैं।
- वर्तमान में गौचर (Gaucher), हंटर सिंड्रोम (Hunter syndrome), मॉर्कियो-ए (Morquio A) और फैब्री रोग (Fabry disease) के लिए उपचार प्रदान किया जा रहा है।

अनुसंधान एवं चिकित्सीय महत्त्व

- **राष्ट्रीय रजिस्ट्री:** यह LSD के नैदानिक और जीनोमिक डेटा के लिए पहली केंद्रीकृत राष्ट्रीय रजिस्ट्री है।

सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा, 2026

जीएस मॉक-1

1. उपोष्णकटिबंधीय पश्चिमी पश्चिमी जेट (STWJ) स्ट्रीम तथा भारत के शीतकालीन मौसम के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. शीतकाल में STWJ का दक्षिण की ओर खिसकना पश्चिमी विक्षोभों को उत्तर एवं उत्तर-पश्चिम भारत की ओर प्रवाहित करने में सहायक होता है।
2. सिंधु-गंगा मैदान में लगातार रहने वाला शीतकालीन कोहरा एवं निम्न बादल मुख्यत: इस कारण होते हैं कि STWJ सीमा-स्तर में तीव्र ऊर्ध्वाधर मिश्रण उत्पन्न करता है।
3. एक प्रबल STWJ, गर्त के अग्र भाग में उच्च-स्तरीय अपसरण को बढ़ा सकता है, जिससे पश्चिमी विक्षोभों से संबंधित चक्रवातजनन/वर्षण को सहायता मिलती है।
4. उष्णकटिबंधीय पूर्वी जेट (TEJ) स्ट्रीम भारतीय शीतकाल की प्रमुख विशेषता है और मुख्य शीतकालीन वर्षा प्रतिरूप को आकार देता है।

उपरोक्त में से कौन-से कथन सही हैं?

(a) केवल 1 और 3 (b) केवल 1, 2 और 3
(c) केवल 2 और 4 (d) केवल 1, 3 और 4

2. अशोक के 'धम्म' के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इसका उद्देश्य नैतिक शासन एवं सामाजिक समरसता स्थापित करना था, न कि बौद्ध धर्म में धर्मांतरण कराना।
2. इसमें अहिंसा, वृद्धों के प्रति सम्मान, सहिष्णुता तथा सेवकों और बंदियों के मानवीय व्यवहार पर बल दिया गया।
3. इसे मुख्यत: बौद्ध विहारों के माध्यम से आधिकारिक प्रशासनिक इकाइयों के रूप में लागू किया गया।
4. धम्म-महामात्रों की नियुक्ति लोककल्याण एवं नैतिक आचरण को बढ़ावा देने के प्रशासनिक प्रयास को दर्शाती है।

उपरोक्त में से कौन-से कथन सही हैं?

(a) केवल 1, 2 और 4 (b) केवल 1 और 3
(c) केवल 2 और 3 (d) 1, 2, 3 और 4

3. भारत में रेपो रेट में वृद्धि के माध्यम से मुद्रास्फीति एवं आर्थिक वृद्धि पर पड़ने वाले प्रभाव के निम्नलिखित संचरण माध्यमों पर विचार कीजिए:

1. **ब्याज दर माध्यम (Interest Rate Channel):** ऋण-लागत बढ़ाता है, जिससे उपभोग एवं निवेश मांग में कमी आती है।
2. **विनिमय दर माध्यम (Exchange Rate Channel):** मुद्रा को समर्थन दे सकता है, जिससे आयातित मुद्रास्फीति कम हो सकती है।
3. **ऋण माध्यम (Credit Channel):** बैंकों के ऋण मानकों को कड़ा कर सकता है तथा ऋण विस्तार को धीमा कर सकता है।
4. **राजकोषीय प्रभुत्व माध्यम (Fiscal Dominance Channel):** प्रत्यक्ष रूप से सरकारी व्यय में कटौती के लिए बाध्य करता है, जिससे यांत्रिक रूप से मुद्रास्फीति कम हो जाती है।

उपरोक्त में से कितने मान्य संचरण माध्यम हैं?

(a) केवल एक (b) केवल दो
(c) केवल तीन (d) सभी चार

4. भारत के निर्वाचन आयोग (ECI) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. अनुच्छेद 324 के अंतर्गत ECI की पूर्णाधिकार शक्ति केवल उन क्षेत्रों में लागू होती है जहां विधायी प्रावधान नहीं हैं, तथा यह संसद/राज्य विधानमंडल द्वारा बनाए गए प्रचलित कानूनों के अधीन है।
2. आदर्श आचार संहिता (MCC) एक स्थायी विधिक संहिता के रूप में सभी समय, यहां तक कि चुनावों के बीच की अवधि में भी, प्रवर्तनीय रहती है।
3. गैर-चुनावी अवधि में ECI की भूमिका में लागू नियमों/आदेशों के अनुसार राजनीतिक दलों की मान्यता एवं चुनाव-चिह्नों का आवंटन सम्मिलित है।
4. चुनावों के दौरान MCC उल्लंघन पाए जाने पर ECI, दलबदल के आधार पर सांसद/विधायक को अयोग्य घोषित कर सकता है।

उपरोक्त में से कौन-से कथन सही हैं?

(a) केवल 1 और 3 (b) केवल 1, 2 और 3
(c) केवल 2 और 4 (d) केवल 1, 3 और 4

5. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

कथन I: ताप-लवण परिसंचरण (THC) वैश्विक ऊष्मा पुनर्वितरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है तथा विशेषकर उत्तर अटलांटिक क्षेत्र के आसपास क्षेत्रीय जलवायु को प्रभावित कर सकता है।

कथन II: ताप-लवण परिसंचरण मुख्यत: तापमान एवं लवणता के कारण उत्पन्न घनत्व भिन्नताओं द्वारा संचालित होता है, न कि केवल सतही पवन तनाव द्वारा।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग कर सही उत्तर चुनिए:

(a) कथन I और कथन II दोनों सही हैं, तथा कथन II, कथन I की व्याख्या करता है

व्याख्यात्मक हल

1. (a), शीतकालीन कोहरा मुख्य रूप से स्थिर व्युत्क्रमण (Stable inversion), सतही हवाओं की मंद गति, उच्च आर्द्रता और खराब विक्षेपण (Dispersion) के कारण बना रहता है, न कि उप-ऊष्णकटिबंधीय पश्चिमी जेट (STWJ) स्ट्रीम द्वारा होने वाले तीव्र ऊर्ध्वाधर मिश्रण के कारण। ऊष्णकटिबंधीय पूर्वी जेट स्ट्रीम (TEJ) मुख्य रूप से ग्रीष्मकालीन मानसून की विशेषता है; भारत के ऊपर शीतकालीन ऊपरी-स्तर का वायु प्रवाह 'पश्चिमी विक्षोभ/STWJ' द्वारा संचालित होता है, न कि TEJ द्वारा।

2. (a), 'धम्म' का क्रियान्वयन प्रशासनिक इकाइयों के रूप में विहारों के माध्यम से नहीं किया गया था; अशोक ने इसके लिए राज्य तंत्र और अधिकारियों का उपयोग किया था। धम्म-महामत्त कल्याण और नैतिक पर्यवेक्षण के लिए नियुक्त शाही पदाधि कारी थे।

3. (c), कथन 4 मौद्रिक संचरण माध्यम नहीं है। रेपो दर में परिवर्तन सरकार को प्रत्यक्ष रूप से व्यय में कटौती करने के लिए बाध्य नहीं करते हैं। मौद्रिक नीति राजकोषीय परिणामों को अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित कर सकती है (जैसे: ऋण लागत के माध्यम से), लेकिन यह "यांत्रिक व्यय कटौती" नहीं है। अन्य 3 मानक माध्यम हैं: ब्याज दर, विनिमय दर और ऋण (बैंक ऋण/वित्तीय स्थिति), जो मांग और मुद्रास्फीति को प्रभावित करते हैं।

4. (a), आदर्श आचार संहिता (MCC) निर्वाचन आयोग द्वारा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा से चुनाव के परिणामों तक प्रभावी रहती है। यह कोई स्थायी कानूनी संहिता नहीं है। दल-बदल के आधार पर अयोग्यता का निर्णय दसवीं अनुसूची के तहत अध्यक्ष/सभापति द्वारा किया जाता है, न कि चुनाव आयोग द्वारा; MCC के उल्लंघन पर चुनावी/प्रशासनिक कार्रवाई होती है, दल-बदल की कार्यवाही नहीं। चुनाव आयोग के पार्टी मान्यता और प्रतीक संबंधी कार्य चुनावों के बाद भी लागू रहते हैं।

5. (a), ताप-लवण परिसंचरण (Thermohaline circulation-THC) घनत्व-संचालित एक ऐसी प्रक्रिया है, जो ऊष्मा को ध्रुवों की ओर (जैसे: उत्तरी अटलांटिक) स्थानांतरित करती है, जिससे जलवायु को आकार मिलता है। हवाएं मुख्य सतही धाराओं और जायर्स (Gyres) को संचालित करती हैं, लेकिन THC का मुख्य तंत्र ठंडे, खारे पानी का नीचे बैठना और क्षतिपूर्ति प्रवाह है इसीलिए यह ऊष्मा का पुनर्वितरण करता है और जलवायु को नियंत्रित करता है। वैश्विक "ओवरटर्निंग" परिसंचरण, सतही उत्प्लावकता प्रवाह और पवन प्रतिबल के सम्मिलित प्रभाव का परिणाम है।

6. (a), उत्तर वैदिक मानदंडों ने उत्तरोत्तर पितृसत्ता को बढ़ावा दिया, जिससे विवाह और कामुकता के नियम कड़े हो गए; नियोग जैसी प्रथाओं को सामान्य सामाजिक स्वतंत्रता के रूप में व्यापक समर्थन प्राप्त नहीं था। उत्तर वैदिक ग्रंथ बढ़ते अनुष्ठानिक नियंत्रण और पितृसत्तात्मक मानदंडों को दर्शाते हैं। गार्गी और मैत्रेयी जैसी महिलाएं असाधारण विदुषी थीं, जो आवश्यक रूप से समाज की सामान्य महिलाओं की स्थिति या उनकी स्वायत्तता और संपत्ति के अधिकारों में गिरावट का प्रतिनिधित्व नहीं करतीं।

7. (c), कथन 3 गलत है। निजी या सामुदायिक भूमि सामुदायिक रिजर्व (Community Reserve) के अंतर्गत आती है, न कि संरक्षण रिजर्व (Conservation Reserve) के। सामुदायिक रिजर्व न केवल निजी भूमि पर बल्कि उस सरकारी भूमि पर भी घोषित किए जा सकते हैं जहां सामुदायिक अधिकार मौजूद हों। संरक्षण रिजर्व पूर्णत: सरकारी स्वामित्व वाली भूमि पर अधि सूचित किए जाते हैं, जो आमतौर पर मौजूदा संरक्षित क्षेत्रों के बीच बफर या कॉरीडोर के रूप में कार्य करते हैं।

8. (a)

9. (a), रेगुर मृदा में आमतौर पर नाइट्रोजन और फास्फोरस की कमी पायी जाती है (अक्सर इसमें कार्बनिक पदार्थों की भी कमी होती है), हालांकि उचित प्रबंधन से यह उत्पादक हो सकती है। इसकी मुख्य विशेषता मोंटमोरिलोनाइट (Montmorillonite) जैसी फूलने वाली मिट्टियों के कारण उच्च नमी धारण क्षमता है, जो कपास और कई रबी फसलों के लिए सहायक है। हालांकि, काली मिट्टी मुख्य रूप से कपास के लिए उपयुक्त है; गेहूं की खेती क्षेत्र-विशिष्ट है और सिंचाई पर निर्भर करती है।

10. (b), CRISPR एक जीन-संपादन उपकरण है; यह अंतिम पौधे में किसी बाहरी जीन को डाले बिना (SDN-1/2) लक्षित संपादन कर सकता है। भारत सरकार ने 30 मार्च, 2022 को एक कार्यालय ज्ञापन जारी कर SDN-1/SDN-2 पौधों को (जो बाहरी DNA से मुक्त हैं) 1989 के नियमों के विशिष्ट प्रावधानों से छूट दी है, बशर्ते संस्थागत निगरानी के माध्यम से इसकी पुष्टि की जाए।

11. (a), हड़प्पा सभ्यता का 'निचला शहर' अक्सर जाल पद्धति, जल निकासी और विनियमित सड़कों के साथ सुनियोजित था, जो नागरिक नियंत्रण का संकेत देता है। पुरातात्विक साक्ष्य निर्णायक रूप से दुर्ग को "शाही महल परिसरों" के रूप में स्थापित नहीं करते हैं; साक्ष्य इनके सार्वजनिक, अनुष्ठानिक या प्रशासनिक कार्यों की ओर अधिक संकेत करते हैं। उदाहरण के लिए, 'विशाल स्नानागार' को धार्मिक माना जाता है, न कि निश्चित रूप से प्रशासनिक।

12. (d)

13. (a), प्रतिबंधों की "तार्किकता" के लिए केवल वैधानिकता और उद्देश्य ही पर्याप्त नहीं हैं, न्यायालय इनके संबंध, आनुपातिकता, अति-व्याप्ति और अधिकारों पर पड़ने वाले बोझ की जांच करते हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने प्रतिबंधों की तार्किकता परीक्षण के दौरान स्पष्ट रूप से आनुपातिकता के सिद्धांत को अपनाया है। 'सार्वजनिक व्यवस्था' अनुच्छेद 19(2) में मूल रूप से शामिल नहीं थी; इसे प्रथम संविधान संशोधन (1951) द्वारा जोड़ा गया था।

सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा, 2026

जीएस मॉक-2

1. भारत की भूवैज्ञानिक धरोहर (Geological Heritage) के संदर्भ में, पंचगनी और महाबलेश्वर स्थित दक्कन ट्रैप्स (Deccan Traps) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इन स्थलों को हाल ही में यूनेस्को के विश्व धरोहर सम्मेलन की अस्थायी सूची में शामिल किया गया है।
2. ये स्थल भूवैज्ञानिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं क्योंकि ये पश्चिमी घाट में कोयना वन्यजीव अभयारण्य का अभिन्न भाग हैं।
3. इस संरचना को यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों की 'मिश्रित' श्रेणी में वर्गीकृत किया गया है क्योंकि इसमें भूवैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक दोनों प्रकार के संयुक्त मूल्य निहित हैं।

उपरोक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2
(c) केवल 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

2. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन I: सालखन जीवाश्म उद्यान में प्राप्त जीवाश्म समुदाय को पृथ्वी के इतिहास की "महान ऑक्सीकरण घटना" का एक महत्वपूर्ण जैविक अभिलेख माना जाता है।

कथन II: इस उद्यान में स्ट्रोमैटोलाइट्स (Stromatolites) के अत्यंत प्राचीन एवं सुविकसित रूप पाए जाते हैं, जो सायनोबैक्टीरिया (cyanobacteria) द्वारा निर्मित सूक्ष्मजीवी संरचनाएं हैं।

उपरोक्त कथनों के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा सही है?

(a) कथन I और कथन II दोनों सही हैं तथा कथन II, कथन I की व्याख्या करता है।
b) कथन I और कथन II दोनों सही हैं, परंतु कथन II, कथन I की व्याख्या नहीं करता है।
(c) कथन I सही है, परंतु कथन II सही नहीं है।
(d) कथन I सही नहीं है, परंतु कथन II सही है।

3. यूनेस्को क्रिएटिव सिटीज नेटवर्क (UCCN) में शामिल निम्नलिखित नगरों और उनके संबंधित क्षेत्रों के युग्मों पर विचार कीजिए:

1. लखनऊ – पाक-कला (Gastronomy)
2. ग्वालियर – संगीत (Music)
3. कोझिकोड – साहित्य (Literature)
4. श्रीनगर – डिजाइन (Design)

उपरोक्त में से कितने युग्म सही सुमेलित हैं?

(a) केवल एक (b) केवल दो
(c) केवल तीन (d) सभी चार

4. चोल गंगम झील (पोन्नेरी) के संबंध में निम्नलिखित कथनों में से कितने सही हैं?

1. इसे राजराजा चोल प्रथम ने दक्षिण-पूर्व एशिया के समुद्री अभियान की स्मृति में बनवाया था।
2. इसे भारत की सबसे बड़ी प्राचीन मानव-निर्मित झील के रूप में मान्यता प्राप्त है।
3. ऐतिहासिक अभिलेखों में इस झील को "विजय का द्रव स्तंभ" (Liquid Pillar of Victory) कहा गया है।
4. इसे कावेरी की सहायक नदी कोल्लिडम नदी (Kollidam River) से जोड़ने वाली नहर द्वारा जल प्राप्त होता है।

सही कथनों की संख्या कितनी है?

(a) केवल एक (b) केवल दो
(c) केवल तीन (d) सभी चार

5. निम्नलिखित चोल मंदिरों में से कौन-सा मंदिर विशेष रूप से इस कारण प्रसिद्ध है कि उसकी पत्थर की सीढ़ियां 7 संगीत स्वरों का प्रतिनिधित्व करती हुई नक्काशीदार रूप में निर्मित हैं?

(a) बृहदीश्वर मंदिर (b) गंगैकोंड चोलपुरम मंदिर
(c) ऐरावतेश्वर मंदिर (d) विजयालय चोलेश्वरम मंदिर

6. मेहरगढ़ (Mehrgarh) पुरातात्त्विक स्थल के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह एक नवपाषाण (Neolithic) स्थल है, जो वर्तमान पाकिस्तान में बोलन दर्रे के मुहाने पर स्थित है।
2. हालिया रेडियोकार्बन डेटिंग के आधार पर इसकी आयु को 8000 ईसा पूर्व (BCE) से संशोधित कर 5200 ईसा पूर्व का अपेक्षाकृत नवीन काल प्रस्तावित किया गया है।
3. यह स्थल प्राचीन समय में कपास की खेती के सर्वप्रथम साक्ष्य प्रदान करता है।
4. 'असाधारण सार्वभौमिक मूल्य' के आधार पर यह वर्तमान में दक्षिण एशिया का एक अभिलेखित (Inscribed) यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है।

उपरोक्त में से कौन-से कथन सही हैं?

(a) केवल 1 और 3 (b) केवल 1, 2 और 3
(c) केवल 2 और 4 (d) 1, 2, 3 और 4

7. तेलंगाना में हाल ही में खोजे गए गुंडारम अभिलेखों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. ये प्रारंभिक दक्कन के राजनीतिक परिदृश्य, विशेषत: सातवाहन-चुटु संबंधों पर प्रकाश डालते हैं।
2. ये अभिलेख मुख्यत: खरोष्ठी लिपि में लिखे गए हैं, जो उत्तर-पश्चिम भारत से व्यापारिक संबंधों का संकेत देती है।

2. यद्यपि भारत ने 99% से अधिक विद्युतीकरण (SDG 7) प्राप्त किया है, परंतु SDG 13 (जलवायु कार्रवाई) पर उसकी प्रगति वर्तमान में घटती प्रवृत्ति दर्शाती है।
3. "सेविला प्रतिबद्धता" को वैश्विक दक्षिण द्वारा $4 ट्रिलियन के SDG वित्तपोषण अंतर को पाटने हेतु अपनाया गया, जिसमें अमेरिका प्रमुख दाता के रूप में कार्य कर रहा है।

उपरोक्त में से कौन-से कथन सही हैं?

(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

95. भारत की हरित हाइड्रोजन प्रमाणन योजना (GHCI) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. 'हरित' के रूप में अर्हता प्राप्त करने हेतु हाइड्रोजन उत्पादन को प्रति किलोग्राम H_2 पर औसत 2 किलोग्राम CO_2 समतुल्य ($2\ kg\ CO_2e/kg\ H_2$) से कम उत्सर्जन तीव्रता पूरी करनी होगी।
2. प्रमाणन का दायरा संयंत्र-सीमा के बाहर हाइड्रोजन के परिवहन एवं भंडारण से उत्पन्न उत्सर्जनों को भी सम्मिलित करता है।
3. ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (BEE) इन उत्पादन सुविधाओं के मापन एवं स्थल-पर सत्यापन हेतु नोडल प्राधिकरण है।

उपरोक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 1 और 3
(c) केवल 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

96. भारत में कृषि वानिकी के आर्थिक एवं विधिक ढांचे के संदर्भ में निम्नलिखित विश्लेषणात्मक कथनों पर विचार कीजिए:

1. कृषि वानिकी वर्तमान में भारत के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का लगभग 8% आच्छादित करती है तथा जलवायु परिवर्तन शमन का एक प्रमुख साधन मानी जाती है।
2. 'कृषि भूमि पर वृक्षों की कटाई हेतु मॉडल नियम, 2025' के अंतर्गत केवल तब कटाई अनुमति आवश्यक है जब कोई आवेदक दस से अधिक वृक्ष काटना चाहता हो।
3. 'बॉन चैलेंज', जिसमें भारत सहभागी है, 2030 तक कृषि वानिकी के माध्यम से 13 मिलियन हेक्टेयर अवनत भूमि के पुनर्स्थापन का वैश्विक प्रयास है।

उपरोक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2
(c) केवल 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

97. भारतीय हिमालयी क्षेत्र (IHR) में हिमनदी झील विस्फोट बाढ़ (GLOFs) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. हिमनद की सतह पर पिघले जल से बनने वाली सुप्राग्लेशियल झीलें सर्वाधिक स्थिर प्रकार की हिमनदी झीलें हैं।
2. राष्ट्रीय हिमनदी झील विस्फोट बाढ़ जोखिम शमन परियोजना (NGRMP) वर्तमान में सिक्किम एवं हिमाचल प्रदेश सहित कुछ राज्यों में क्रियान्वित की जा रही है।
3. केंद्रीय जल आयोग (CWC) की हालिया रिपोर्टों के अनुसार हिमालय में निगरानी की जा रही लगभग 35% हिमनदी झीलों के जल-प्रसार क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है।

उपरोक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2 और 3
(c) केवल 3 (d) 1, 2 और 3

98. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन I: अटलांटिक मेरिडियनल ओवरटर्निंग परिसंचरण (AMOC) भारतीय मानसून एवं यूरोप की जलवायु के एक महत्वपूर्ण नियामक के रूप में कार्य करता है।

कथन II: AMOC के कमजोर होने से महासागरीय कार्बन अवशोषण में कमी आ सकती है, जिससे प्रतिपुष्टि चक्र के माध्यम से वैश्विक तापवृद्धि में तीव्रता आ सकती है।

उपरोक्त में से कौन-सा सही है?

(a) कथन I और कथन II दोनों सही हैं तथा कथन II, कथन I की व्याख्या करता है।
(b) कथन I और कथन II दोनों सही हैं, परंतु कथन II, कथन I की व्याख्या नहीं करता है।
(c) कथन I सही है, परंतु कथन II सही नहीं है।
(d) कथन I सही नहीं है, परंतु कथन II सही है।

99. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए:

1. एशियाई सिंह - IUCN द्वारा 'अत्यधिक संकटग्रस्त' स्थिति
2. चीता-'प्रोजेक्ट टाइगर' के अंतर्गत पुनःस्थापन
3. डुगोंग - पाक खाड़ी में प्रथम संरक्षण रिजर्व
4. हिम तेंदुआ - हिमाचल प्रदेश का राजकीय पशु

उपरोक्त में से कितने युग्म सही सुमेलित हैं?

(a) केवल एक (b) केवल दो
(c) केवल तीन (d) सभी चार

100. संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP) के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा सचिवालय या पहल उसके द्वारा प्रबंधित/आयोजित नहीं है?

(a) जैव विविधता अभिसमय (CBD)
(b) प्रवासी प्रजाति अभिसमय (CMS)
(c) वैश्विक पर्यावरण सुविधा (GEF)
(d) जलवायु परिवर्तन पर अंतर-सरकारी पैनल (IPCC)

व्याख्यात्मक हल

1. (a), पंचगनी और महाबलेश्वर स्थित दक्कन ट्रैप्स को प्राकृतिक धरोहर श्रेणी के अंतर्गत अस्थायी सूची (Tentative List) में शामिल किया गया है, न कि मिश्रित (Mixed) श्रेणी में। मिश्रित स्थलों को एक साथ प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक दोनों मानदंडों को पूरा करना होता है। इन ट्रैप्स को उनकी विशिष्ट ज्वालामुखीय संरचना और लेटराइट निर्माण के कारण मान्यता प्राप्त है।

2. (a), स्ट्रोमैटोलाइट नील-हरित शैवाल अथवा सायनोबैक्टीरिया के समुदायों द्वारा निर्मित होते हैं। ये पृथ्वी पर प्रकाश-संश्लेषण के माध्यम से ऑक्सीजन उत्सर्जित करने वाले प्रारंभिक जीव थे। लगभग 1.4 अरब वर्ष पुराने इन जीवाश्म संरचनाओं की व्यापक उपस्थिति वायुमंडल में ऑक्सीजन संचय के प्रारंभिक काल का प्रत्यक्ष साक्ष्य प्रस्तुत करती है।

3. (c), श्रीनगर को वर्ष 2021 में यूनेस्को क्रिएटिव सिटीज नेटवर्क (UCCN) के अंतर्गत "शिल्प एवं लोककला" (Crafts and

सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा, 2026

जीएस मॉक-3

1. भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (MPC) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. MPC को 4% के उपभोक्ता मूल्य मुद्रास्फीति (CPI) लक्ष्य को बनाए रखने का दायित्व सौंपा गया है, जिसमें ±2% का सहनशीलता बैंड निर्धारित है।
2. निर्णय बहुमत मत से लिए जाते हैं, तथा मतों की समानता की स्थिति में RBI के गवर्नर को निर्णायक मत का अधिकार होता है।
3. मौद्रिक संचरण को सर्वाधिक प्रभावी तब माना जाता है जब बैंक दर में परिवर्तन किया जाए, क्योंकि यह तरलता समायोजन सुविधा (LAF) गलियारे का प्राथमिक निम्न-सीमा निर्धारित करती है।

उपरोक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2
(c) केवल 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

2. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन I: स्थायी जमा सुविधा (SDF) ने पारंपरिक रिवर्स रेपो की तुलना में बैंकिंग प्रणाली में अधिशेष तरलता के प्रबंधन हेतु RBI की क्षमता को अधिक लचीला बनाया है।

कथन II: स्थिर दर रिवर्स रेपो के विपरीत, SDF वाणिज्यिक बैंकों से तरलता अवशोषित करने के लिए RBI को सरकारी प्रतिभूतियां जमानत के रूप में प्रदान करने की आवश्यकता नहीं होती।

उपरोक्त कथनों के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा सही है?

(a) कथन I और कथन II दोनों सही हैं तथा कथन II, कथन I की व्याख्या करता है।
(b) कथन I और कथन II दोनों सही हैं, परंतु कथन II, कथन I की व्याख्या नहीं करता है।
(c) कथन I सही है, परंतु कथन II सही नहीं है।
(d) कथन I सही नहीं है, परंतु कथन II सही है।

3. डिजिटल रुपया (e₹) के वर्गीकरण के संदर्भ में निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए:

1. खुदरा केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा (e₹-R) - अंतर-बैंक थोक निपटान
2. थोक केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा (e₹-W) - गैर-वित्तीय उपभोक्ताओं एवं व्यवसायों द्वारा उपयोग
3. टोकन-आधारित प्रणाली - धारक साधन (Bearer Instrument) का डिजिटल प्रतिनिधित्व
4. खाता-आधारित प्रणाली - खाताधारक की पहचान के माध्यम से सत्यापन

उपरोक्त में से कितने युग्म सही सुमेलित हैं?

(a) केवल एक (b) केवल दो
(c) केवल तीन (d) सभी चार

4. राजकोषीय उत्तरदायित्व एवं बजट प्रबंधन अधिनियम (FRBM Act) के लक्ष्यों एवं अनुपालन निष्कर्षों के संदर्भ में निम्नलिखित में से कितने कथन सही हैं?

1. अधिनियम यह अनिवार्य करता है कि भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (CAG) इसके प्रावधानों की वार्षिक अनुपालन समीक्षा करें।
2. 2018 के संशोधन के माध्यम से राजस्व घाटा एवं प्रभावी राजस्व घाटा के लक्ष्य हटा दिए गए।
3. केंद्रीय सरकार का ऋण-से-GDP अनुपात वित्त वर्ष 2020-21 में लगभग 61% के उच्चतम स्तर पर पहुंचा।
4. अधिनियम में 'एस्केप क्लॉज' का प्रावधान है, जिसके अंतर्गत किसी एक वर्ष में राजकोषीय घाटा लक्ष्य से अधिकतम 1.5% GDP तक विचलन की अनुमति दी जा सकती है।

विकल्प:

(a) केवल एक (b) केवल दो
(c) केवल तीन (d) सभी चार

5. वस्तु एवं सेवा कर परिषद की निर्णय-प्रक्रिया में प्रस्ताव पारित करने हेतु आवश्यक भारित मतदान का सही विवरण कौन-सा है?

(a) उपस्थित एवं मतदान करने वाले सदस्यों का साधारण बहुमत।
(b) दो-तिहाई बहुमत, जिसमें केंद्र एवं राज्यों का भार समान (50%-50%) हो।
(c) तीन-चौथाई बहुमत, जिसमें केंद्र का भार एक-तिहाई तथा राज्यों का दो-तिहाई हो।
(d) सर्वसम्मति-आधारित निर्णय, जिसमें किसी एक राज्य को वीटो (Veto) का अधिकार हो।

6. भारत में हालिया प्रत्यक्ष कर सुधारों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. "फेसलेस असेसमेंट" प्रणाली का उद्देश्य करदाता एवं आयकर विभाग के बीच प्रत्यक्ष भौतिक संपर्क को समाप्त करना है, जिसके लिए स्वचालित आवंटन प्रणाली का उपयोग किया जाता है।
2. कॉर्पोरेट कर युक्तीकरण के अंतर्गत नव-स्थापित विनिर्माण कंपनियों पर स्थापित सेवा क्षेत्र कंपनियों की तुलना में कम कर दर लागू की गई है।

3. आर्य समाज 1875 के अपने घोषणापत्र में 'पूर्ण स्वराज' की आधिकारिक मांग करने वाला प्रथम सामाजिक-सुधार संगठन था।

उपरोक्त में से कौन-से कथन सही हैं?

(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2 और 3
(c) केवल 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

97. मॉर्ले-मिंटो सुधार अथवा भारत सरकार अधिनियम, 1909 के संदर्भ में निम्नलिखित पर विचार कीजिए:

1. इसने मुसलमानों के लिए पृथक निर्वाचक मंडल की व्यवस्था प्रारंभ की, जिसमें केवल मुस्लिम मतदाता ही मुस्लिम प्रतिनिधियों का निर्वाचन कर सकते थे।
2. इस अधिनियम के अंतर्गत पहली बार वायसराय की कार्यकारी परिषद में एक भारतीय की नियुक्ति की अनुमति दी गई।
3. इसने विधायिकाओं को संपूर्ण बजट पर मतदान का अधिकार प्रदान किया।

उपरोक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2
(c) केवल 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

98. मॉन्टेग्यू-चेम्सफोर्ड सुधार अथवा भारत सरकार अधिनियम, 1919 के संदर्भ में निम्नलिखित विश्लेषणात्मक कथनों पर विचार कीजिए:

1. 'द्वैध शासन' प्रणाली के अंतर्गत प्रांतीय विषयों को 'आरक्षित' एवं 'हस्तांतरित' श्रेणियों में विभाजित किया गया।
2. पहली बार केंद्रीय विधायिका में द्विसदनीयता एवं प्रत्यक्ष निर्वाचन का प्रावधान किया गया।
3. विश्लेषणात्मक रूप से द्वैध शासन विफल रहा क्योंकि 'हस्तांतरित' विषयों (जैसे स्वास्थ्य एवं शिक्षा) पर स्वतंत्र वित्तीय नियंत्रण नहीं था; वित्त 'आरक्षित' विषयों में बना रहा।

उपरोक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 1 और 2
(c) केवल 3 (d) 1, 2 और 3

99. भारत छोड़ो आंदोलन (1942) के दौरान 'भूमिगत गतिविधियों' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. उषा मेहता एवं उनके सहयोगियों द्वारा "गुप्त कांग्रेस रेडियो" संचालित किया गया, जिससे ब्रिटिश सेंसरशिप को दरकिनार किया जा सके।
2. यह आंदोलन विश्लेषणात्मक रूप से अद्वितीय था क्योंकि इसमें मुस्लिम लीग एवं हिंदू महासभा ने समानांतर भूमिगत नेटवर्क में पूर्ण सहभागिता की।
3. सतारा, तामलुक एवं बलिया जैसे क्षेत्रों में समानांतर सरकारें स्थापित की गईं।

उपरोक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

(a) केवल 1 और 3 (b) केवल 1
(c) केवल 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

100. 1857 के विद्रोह के नेतृत्वकर्ता के संदर्भ में निम्नलिखित विश्लेषणात्मक भेदों पर विचार कीजिए:

1. नाना साहेब एवं लक्ष्मीबाई जैसे नेता मुख्यत: अपने व्यक्तिगत सामंती विशेषाधिकारों एवं उपाधियों के ह्रास से प्रेरित थे।
2. विद्रोह में दिल्ली, लखनऊ एवं कानपुर जैसे केंद्रों के बीच केंद्रीकृत सैन्य कमान के माध्यम से निर्बाध समन्वय था।
3. विश्लेषणात्मक रूप से विद्रोह की विफलता का एक कारण "बौद्धिक विभाजन" था, जिसमें आधुनिक शिक्षित मध्यम वर्ग तटस्थ रहा या ब्रिटिशों का समर्थन करता रहा।

उपरोक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 1 और 3
(c) केवल 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

व्याख्यात्मक हल

1. (a), रेपो रेट, न कि बैंक दर (Bank Rate), मौद्रिक नीति रुख का संकेत देने वाली प्रमुख नीतिगत दर है। वर्तमान में स्थायी जमा सुविधा (SDF) तरलता समायोजन सुविधा (LAF) कॉरिडोर की निचली सीमा है। सीमांत स्थायी सुविधा (MSF) इसकी ऊपरी सीमा है। बैंक दर सामान्यत: MSF के अनुरूप रखी जाती है।

2. (a), SDF को बिना प्रतिभूति साधन के रूप में प्रारंभ किया गया। पारंपरिक रिवर्स रेपो में सरकारी प्रतिभूतियों (G-Secs) को गिरवी रखना आवश्यक था। इस लचीलेपन के कारण इसे नीतिगत कॉरिडोर की नई "निचली सीमा" बनाया गया।

3. (b), टोकन-आधारित प्रणाली में प्राप्तकर्ता टोकन की प्रामाणिकता सत्यापित करता है, यह डिजिटल धारक साधन की तरह कार्य करता है (नकदी समान)। खाता-आधारित प्रणाली में मध्यस्थ लेन-देन को अधिकृत करने हेतु खाता धारक की पहचान सत्यापित करता है।

4. (c), 2018 संशोधन ने राजकोषीय स्थिरता हेतु ऋण-से-GDP अनुपात को प्राथमिक लक्ष्य बनाया। राजस्व घाटा और प्रभावी राजस्व घाटा संबंधी लक्ष्य हटाए गए। वर्तमान अधिनियम 4.5% राजकोषीय घाटे की क्रमिक कमी पर केंद्रित है।

5. (c), अनुच्छेद 279A के अंतर्गत GST परिषद के निर्णय तीन-चौथाई बहुमत से लिए जाते हैं। केंद्र सरकार के पास कुल मतदान शक्ति का एक-तिहाई है। सभी राज्यों के पास संयुक्त रूप से दो-तिहाई मतदान शक्ति है। यह सहकारी संघवाद सुनिश्चित करता है।

6. (a), केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (CBDT) केंद्रीय राजस्व बोर्ड अधिनियम, 1963 के अंतर्गत एक सांविधिक प्राधिकरण है। यह वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग के अधीन कार्य करता है, न कि प्रधानमंत्री कार्यालय (PMO) के। फेसलेस संरचना पारदर्शिता और भ्रष्टाचार-नियंत्रण हेतु विकसित की गई है।

7. (d), UPI Lite ₹500 तक के छोटे लेन-देन हेतु विकसित किया गया है ताकि बैंक पासबुक में सूक्ष्म प्रविष्टियों का भार कम हो। e₹-R (Retail CBDC) की अंत:प्रचालनीयता से मौजूदा UPI QR कोड स्कैन संभव है। सीमा-पार विस्तार जैसे सिंगापुर के PayNow के साथ एकीकरण भारत की डिजिटल भुगतान प्रणाली के अंतरराष्ट्रीयकरण का हिस्सा है।

8. (a), भारत में आंशिक पूंजी खाता परिवर्तनीयता है। उच्च वास्तविक प्रभावी विनिमय दर (REER) मुद्रा के अधिक-मूल्यांकन को

सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा, 2026

जीएस मॉक-4

1. भारतीय उपमहाद्वीप में मध्यपाषाण काल से अर्ध-स्थायी जीवन-पद्धति की ओर संक्रमण के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. मौसमी शिविरों अथवा अपेक्षाकृत दीर्घावधि निवास के साक्ष्य प्रायः बार बार बने चूल्हों, फर्श की परतों और खंभों के लिए बने गड्ढों से अनुमानित किए जाते हैं।
2. औपचारिक दफन संस्कार अथवा कब्रिस्तानों की उपस्थिति तथा एक ही निवास क्षेत्र का बार-बार उपयोग, गतिशीलता में कमी का संकेत दे सकता है।
3. सूक्ष्म-पाषाण उपकरणों का प्रभुत्व अपने-आप में पूर्ण विकसित कृषि के अस्तित्व को सिद्ध करता है।
4. पीसने वाले पत्थरों/ओखली के पत्थरों के बढ़ते उपयोग से यह संकेत मिलता है कि आजीविका प्रणाली बड़े शिकार से आगे बढ़कर बहु-संसाधन आधारित हो रही थी।

उपरोक्त में से कितने कथन सही हैं?

(a) केवल एक (b) केवल दो
(c) केवल तीन (d) सभी चार

2. नायंकर प्रणाली (Nayankara System) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. नायक प्रायः 'अमरम' कहलाने वाले राजस्व-अनुदान धारण करते थे, जिसके बदले उन्हें सेना बनाए रखना तथा सैन्य सेवा प्रदान करनी होती थी।
2. यह प्रणाली पूर्णतः वंशानुगत एवं विधिक रूप से स्थायी थी, जो एक पारंपरिक "वंशानुगत भूस्वामी" मॉडल के समान थी।
3. उत्तर भारत की अनेक "सामंती-सदृश" व्यवस्थाओं की तुलना में इसकी एक प्रमुख विशेषता हस्तांतरणीयता एवं सेवा-शर्तों के माध्यम से राजसत्ता का अधिक नियंत्रण थी।
4. समय के साथ यह प्रणाली स्थानीय शक्ति-संकेन्द्रण को भी प्रोत्साहित कर सकती थी, जिससे केंद्र एवं सरदारों के मध्य तनाव उत्पन्न होता था।

सही कथन कौन-से हैं?

(a) केवल 1, 3 और 4 (b) केवल 1 और 2
(c) केवल 2, 3 और 4 (d) 1, 2, 3 और 4

3. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन I: एयरी मॉडल (Airy Model) उच्च पर्वतों की व्याख्या मुख्यतः अधिक मोटी भूपर्पटीय "जड़ों" के माध्यम से करता है, जिनका घनत्व लगभग समान होता है; जबकि प्रैट मॉडल (Pratt Model) समान क्षतिपूर्ति गहराई पर पार्श्वीय घनत्व भिन्नताओं के आधार पर स्थलाकृतिक ऊंचाई की व्याख्या करता है।

कथन II: एयरी मॉडल में स्तंभों का घनत्व समान होता है परंतु उनकी मोटाई परिवर्तनीय होती है; जबकि प्रैट मॉडल में स्तंभों की मोटाई समान होती है परंतु घनत्व परिवर्तनीय होता है, जिससे स्थलाकृतिक उच्च क्षेत्र निम्न-घनत्व पदार्थ द्वारा समर्थित हो सकते हैं।

सही विकल्प चुनिए:

(a) कथन I और II दोनों सही हैं तथा कथन II, कथन I की व्याख्या करता है।
(b) कथन I और II दोनों सही हैं, परंतु कथन II, कथन I की व्याख्या नहीं करता है।
(c) कथन I सही है, परंतु कथन II गलत है।
(d) कथन I गलत है, परंतु कथन II सही है।

4. सूची-I (पेलाजिक निक्षेप) को सूची-II (निर्माण-परिस्थिति/वितरण नियंत्रण) से मिलाइए:

सूची-I (निक्षेप)	सूची-II (निर्माण-परिस्थिति/वितरण नियंत्रण)
A. कैल्शियम कार्बोनेट-समृद्ध तलछट (Calcareous ooze)	1. स्थल से दूर गहरे बेसिनों में अत्यंत धीमे संचयन के साथ प्रमुख; प्रायः ऑक्सीकरण एवं न्यून जैव-उत्पादन से संबद्ध।
B. सिलिका-प्रधान तलछट (Siliceous ooze)	2. जहां सिलिका-उत्पादक जीवों की उच्च उत्पादकता हो (जैसे अपवेलिंग/उच्च अक्षांश क्षेत्र)।
C. लाल मृदा	3. कैल्साइट क्षतिपूर्ति गहराई (CCD) से ऊपर की गहराइयों में, जहां $CaCO_3$ कम घुलता है और संचयित हो सकता है।
D. स्थलीय निक्षेप (Terrigenous deposits)	4. मुख्य रूप से महाद्वीपीय किनारों के पास केंद्रित, क्योंकि इनकी आपूर्ति स्थल-जनित अवसादों से होती है।

सही उत्तर चुनिए:

(a) A-3, B-2, C-1, D-4(b) A-2, B-3, C-1, D-4
(c) A-3, B-1, C-2, D-4(d) A-4, B-2, C-1, D-3

5. भारत में शक्तियों के पृथक्करण के मॉडल के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. भारत में पूर्ण "जल-रोधक" (Watertight) पृथक्करण के बजाय 'जांच एवं संतुलन' के साथ कार्यात्मक अतिव्यापन की व्यवस्था है।
2. संविधान कार्यपालिका को किसी भी विधायी कार्य के निर्वहन से पूर्णतः प्रतिबंधित करता है।

97. शहरी ऊष्मा द्वीप (UHI) के आकलन के संदर्भ में सूची-I को सूची-II से मिलाइए:

सूची-I	सूची-II
A. भूमि सतह तापमान (LST)	1. वनस्पति आवरण की तीव्रता का संकेतक
B. स्क्रीन-स्तरीय वायु तापमान (Screen-level Air Temperature)	2. कैनोपी स्तर की तापीय दशाओं का मापक
C. NDVI (Normalized Difference Vegetation Index)	3. उपग्रह-आधारित सतही तापीय पैटर्न
D. अभेद्य सतह का अनुपात (Impervious Surface Fraction)	4. शहरी ऊष्मा संचयन का योगदानकर्ता

सही उत्तर चुनिए:

(a) A-3, B-2, C-1, D-4
(b) A-2, B-3, C-1, D-4
(c) A-3, B-1, C-2, D-4
(d) A-1, B-2, C-3, D-4

98. बौद्ध स्तूप स्थापत्य के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. अंड अर्धगोलाकार टीला होता है जो ब्रह्मांडीय गर्भ का प्रतीक माना जाता है।
2. हरमिका गुंबद के ऊपर स्थित वर्गाकार रेलिंग होती है जो छत्रों को आधार प्रदान करती है।
3. छत्र आध्यात्मिक उत्कर्ष तथा अक्षीय-मुंडी की अवधारणा का प्रतीक हैं।

सही कथन कौन-से हैं?

(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2 और 3
(c) 1, 2 और 3 (d) केवल 1

99. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. नेट-जीरो शेष उत्सर्जनों को हटाने के माध्यम से संतुलित करता है।
2. पूर्ण शून्य का अर्थ है शुद्ध उत्सर्जन का पूर्ण अभाव।
3. नेट-जीरो के लिए प्रत्येक क्षेत्र को पूरी तरह उत्सर्जन समाप्त करना आवश्यक है।
4. जिन क्षेत्रों में कमी लाना कठिन है उनके लिए के लिए कार्बन हटाने का उपयोग किया जा सकता है।

उपरोक्त में से कितने कथन सही हैं?

(a) केवल एक (b) केवल दो
(c) केवल तीन (d) सभी चार

100. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. द्विपक्षीय स्थानीय-मुद्रा व्यापार अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता को कम कर सकता है।
2. डॉलर का प्रभुत्व गहरे पूंजी बाजार और नेटवर्क प्रभावों से सुदृढ़ होता है।
3. डी-डॉलराइजेशन का अर्थ है तुरंत किसी एक वैकल्पिक मुद्रा द्वारा डॉलर का प्रतिस्थापन।
4. वित्तीय गहराई, परिवर्तनीयता और विश्वास मुद्रा प्रतिस्थापन की गति को प्रभावित करते हैं।

उपरोक्त में से कितने कथन सही हैं?

(a) केवल एक (b) केवल दो
(c) केवल तीन (d) सभी चार

व्याख्यात्मक हल

1. (c), कथन 3 गलत है। माइक्रोलिथ (Microliths) छोटे पत्थर के औजार होते हैं, जो अधिक कुशल संयुक्त उपकरणों (composite tools) तथा अनुकूलित शिकार-संग्रह का संकेत देते हैं; वे स्वयं में कृषि के अस्तित्व को सिद्ध नहीं करते। अर्द्ध-स्थायी निवास (semi-sedentism) के अप्रत्यक्ष संकेतों में स्थलों का पुनः उपयोग (जैसे कई अग्निकुंड/फर्श), औपचारिक दफन, प्रसंस्करण उपकरण जैसे पीसने वाले पत्थर/ओखली शामिल हैं। ये संकेत बीजों एवं वनस्पति संसाधनों के अधिक उपयोग तथा विविध आहार की ओर संकेत करते हैं, किंतु इससे नवपाषाण कृषि का निष्कर्ष आवश्यक रूप से नहीं निकलता।

2. (a), नायंकर प्रणाली मूलतः पूर्णतः वंशानुगत और स्थायी भू-स्वामित्व के रूप में नहीं बनाई गई थी। यह सेवा-दायित्वों से जुड़ी थी और सिद्धांततः पुनः आवंटित की जा सकती थी। इसका अंतर सूक्ष्म द्वैत (duality) में निहित है, एक ओर राज्य द्वारा सेवा-नियंत्रण की स्पष्ट मंशा, दूसरी ओर व्यवहार में धीरे-धीरे स्थानीय स्तर पर वास्तविक जड़ जमाव।

3. (a), एयरी परिकल्पना (Airy Hypothesis) परिवर्तनशील मोटाई पर आधारित है, पर्वतों के नीचे गहरे भूपर्पटीय मूल पाए जाते हैं। प्रैट परिकल्पना (Pratt Hypothesis) परिवर्तनशील घनत्व पर आधारित है, हल्की स्तंभाकार चट्टानें समान क्षतिपूर्ति स्तर पर अधिक ऊंचाई तक तैरती हैं। यह भेद समझना महत्वपूर्ण है, क्योंकि कुछ ऊंचे क्षेत्रों में मोटी भूपर्पटी दिखाई देती है, जबकि अन्य क्षेत्रों की ऊंचाई संरचनात्मक/तापीय घनत्व भिन्नताओं से उत्पन्न होती है।

4. (a), वास्तव में लाल मृदा उन दूरस्थ गहरे महासागरीय मैदानों में पाई जाती है जहां जैविक अवसाद बहुत कम होता है और निक्षेपण दर अत्यंत धीमी होती है। कैल्शियमयुक्त मृदा का वितरण क्षतिपूर्ति गहराई (CCD) से नियंत्रित होता है; CCD के नीचे $CaCO_3$ शीघ्र घुल जाता है। सिलिका मृदा का वितरण गहराई से अधिक उत्पादकता पट्टियों से संबंधित होता है।

5. (b), कार्यपालिका संवैधानिक रूप से स्वीकृत तंत्रों के माध्यम से विधायी कार्य कर सकती है, जैसे-अध्यादेश, नियम निर्माण या प्रत्यायोजित विधान। भारतीय शक्तियों के पृथक्करण की व्यवस्था सिद्धांततः स्पष्ट है, किंतु व्यवहार में लचीली है। न्यायालय संस्थागत अतिक्रमण को रोकने के लिए सीमाएं निर्धारित करते हैं, किंतु सीमित कार्यात्मक ओवरलैप को संवैधानिक ढांचे का हिस्सा मानते हैं।

6. (c), कथन 3 गलत है। प्रतिफल वक्र का उलटना (inversion) अनिवार्य रूप से यह नहीं दर्शाता कि दीर्घकालिक मुद्रास्फीति अपेक्षाएं (long-term inflation expectations) समाप्त हो गई हैं। यह भविष्य में मौद्रिक ढील (future easing), सुरक्षित निवेश की ओर प्रवाह (flight-to-safety), तथा अवधि प्रीमियम (term premium) जैसे कारकों का परिणाम भी हो सकता है।

राज्य परिदृश्य

इसके अंतर्गत हमने विभिन्न राज्यों द्वारा प्रारंभ की गयी योजनाओं एवं कार्यक्रमों, राज्य स्तर पर आयोजित बैठक एवं सम्मेलनों, सरकारों द्वारा जारी नवीनतम रिपोर्ट्स तथा अन्य प्रमुख घटनाक्रमों को संक्षिप्त रूप में प्रस्तुत किया है, जिनसे सामान्य प्रतियोगी परीक्षाओं में अक्सर प्रश्न पूछे जाते हैं।

उत्तर प्रदेश

दिल्ली–मेरठ नमो भारत कॉरिडोर

22 फरवरी, 2026 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की पहली नमो भारत क्षेत्रीय रैपिड ट्रांजिट प्रणाली (RRTS) का उद्घाटन किया तथा 82 किलोमीटर लंबी दिल्ली-मेरठ नमो भारत कॉरिडोर को राष्ट्र को समर्पित किया।

- इस कॉरिडोर की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि **'नमो भारत रैपिड रेल'** और **'मेरठ मेट्रो'** दोनों ही एक ही प्लेटफॉर्म से संचालित होंगे।
- ये दोनों सेवाएँ **साझा ट्रैक** और **एकीकृत स्टेशनों** का उपयोग करेंगी।
- यह प्रणाली **दिल्ली** और **मेरठ** के बीच यात्रा के समय को काफी कम कर देगी, जिससे **राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (NCR)** में प्रतिदिन आने-जाने वाले लाखों लोगों को बड़ी राहत मिलेगी।
- इस कॉरिडोर के प्रमुख स्टेशनों को इस प्रकार विकसित किया गया है जहाँ यात्री आसानी से **भारतीय रेलवे, मेट्रो सेवाओं** और **बस कनेक्टिविटी (ISBT)** के बीच आवाजाही कर सकेंगे।
- इस महत्त्वाकांक्षी परियोजना में बड़ी संख्या में **ट्रेन ऑपरेटर** और **स्टेशन स्टाफ महिलाएं** हैं, जो आधुनिक भारत की प्रगतिशील तस्वीर पेश करती हैं।

HCL–फॉक्सकॉन सेमीकंडक्टर इकाई

21 फरवरी, 2026 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा स्थित जेवर में यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण क्षेत्र में HCL-फॉक्सकॉन संयुक्त उद्यम परियोजना 'इंडिया चिप प्रा. लि.' का वर्चुअल माध्यम से शिलान्यास किया।

- इस अत्याधुनिक संयंत्र की स्थापना **HCL टेक्नोलॉजीज** और **फॉक्सकॉन (Foxconn)** के सहयोग से की जा रही है।
- यह **'इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन' (ISM)** को धरातल पर उतारने की दिशा में एक बड़ा कदम है।
- सरकार अब तक देश में **10 सेमीकंडक्टर फैब्रिकेशन** और **पैकेजिंग परियोजनाओं** को मंजूरी दे चुकी है, जिनमें से 4 इकाइयों में जल्द ही उत्पादन शुरू होने की उम्मीद है।
- **'चिप्स टू स्टार्टअप' (C2S) कार्यक्रम** के तहत सेमीकंडक्टर क्षेत्र के लिए 85,000 पेशेवरों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य रखा गया है, ताकि उद्योग को कुशल जनशक्ति मिल सके।
- सेमीकंडक्टर एवं बैटरी निर्माण को गति देने के लिए विशेष कॉरिडोर विकसित किए जा रहे हैं, जो कच्चे माल से जुड़ी आपूर्ति शृंखला को सुदृढ़ करेंगे।

उत्तर प्रदेश दिवस, 2026: नई योजनाओं का शुभारंभ

24 जनवरी, 2026 को केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने राष्ट्र प्रेरणा स्थल में उत्तर प्रदेश दिवस, 2026 का शुभारंभ किया।

- इस अवसर पर अमित शाह ने दो महत्त्वपूर्ण योजनाओं का शुभारंभ किया।
- यह योजनाएं हैं: **'वन डिस्ट्रिक्ट-वन कुजीन' (ODOC)** और **सरदार वल्लभभाई पटेल एम्प्लॉयमेंट एंड इंडस्ट्रियल जोन योजना**।

वन डिस्ट्रिक्ट–वन कुजीन (ODOC) योजना

- इसका उद्देश्य **स्थानीय खाद्य उत्पादों** को वैश्विक पहचान दिलाना, उनकी **पैकेजिंग** और **निर्यात** को बढ़ावा देना है।
- ODOP के तहत अब तक राज्य में कुल **30 कॉमन फैसिलिटी सेंटर** बनाए जा चुके हैं।
- इसके तहत **प्रत्येक जिले** को एक अनोखे स्थानीय व्यंजन से जोड़ा जाएगा, जैसे **आगरा का पेठा, मथुरा का पेड़ा** आदि।

सरदार वल्लभभाई पटेल एम्प्लॉयमेंट एंड इंडस्ट्रियल जोन योजना

- यह योजना **युवाओं के कौशल विकास और रोजगार** पर केंद्रित है।
- **प्रत्येक जनपद** में **100 एकड़ क्षेत्रफल** में इसका विकास होगा।
- इसके तहत जो भी युवा नौकरी व कारोबार प्रारंभ करने का इच्छुक है, उसकी योग्यता व क्षमता के अनुरूप उसके स्केल को स्किल डेवपलमेंट में बदला जाएगा।

CCSU भारत की पहली AI–इनेबल्ड स्टेट यूनिवर्सिटी

28 जनवरी, 2026 को मेरठ के चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय (CCSU) में देश के पहले AI-सक्षम राज्य विश्वविद्यालय पायलट प्रोजेक्ट का शुभारंभ किया गया।

लघु संचिका

प्रायः सामान्य प्रतियोगी परीक्षाओं में नियुक्ति, निधन, पुरस्कारों, चर्चित पुस्तकों, दिवसों आदि से अत्यधिक संख्या में प्रश्न पूछे जाते हैं, जिनके लिए संक्षिप्त स्वरूप में समसामयिक घटनाक्रमों का कवरेज पर्याप्त होता है। इसे ध्यान में रखकर हम इस खंड में अति संक्षिप्त रूप में इन समसामयिक घटनाक्रमों का प्रस्तुतीकरण करते हैं।

चर्चित व्यक्ति

रणवीर सचदेवा

8 वर्षीय कोडर रणवीर सचदेवा भारत मंडपम में आयोजित 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' (India AI Impact Summit) को संबोधित करने वाले सबसे कम उम्र के वक्ता बन गए हैं।

- उन्होंने स्वयं को एक प्रौद्योगिकीविद् (Technologist) के रूप में वर्णित किया और AI के साथ प्राचीन भारतीय दर्शन के एकीकरण पर अपने विचार साझा किए।

आदित्य पांड्या

1–8 फरवरी, 2026 के दौरान 17 वर्षीय आदित्य पांड्या ने गुजरात के धौलावीरा में 8 दिवसीय "लूनर सिमुलेशन मिशन" (चंद्रमा जैसी परिस्थितियों का अभ्यास) को सफलतापूर्वक पूरा किया।

- इस उपलब्धि के साथ ही वे **भारत के सबसे युवा 'एनालॉग अंतरिक्ष यात्री' (Analogue Astronaut)** बन गए।
- एनालॉग अंतरिक्ष यात्री पृथ्वी पर ही अंतरिक्ष अभियानों जैसी परिस्थितियों का अनुकरण करते हैं, ताकि चरम वातावरण में प्रणालियों, जीवित रहने की तकनीकों और मानवीय व्यवहार का परीक्षण किया जा सके।

तारिक रहमान

13 फरवरी, 2026 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बांग्लादेश के संसदीय चुनावों में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (BNP) की जीत के उपरांत तारिक रहमान को बधाई दी।

- 17 फरवरी, 2026 तारिक रहमान ने बांग्लादेश के प्रधानमंत्री के रुप में शपथ ली।

रूबल नागी

4 फरवरी, 2026 को भारतीय शिक्षिका रूबल नागी को दुबई में आयोजित वर्ल्ड गवर्नमेंट समिट में ग्लोबल टीचर प्राइज, 2026 से सम्मानित किया गया।

- यह **10 लाख डॉलर** का पुरस्कार **GEMS एजुकेशन** द्वारा प्रदान किया गया।
- रूबल नागी को इस बात के लिए सम्मानित किया गया कि उन्होंने **उपेक्षित** और **जर्जर दीवारों** को **जीवंत शैक्षिक भित्तिचित्रों** में परिवर्तन कर दिया।

साने ताकाइची	➢ 8 फरवरी, 2026 को जापान में हुए आकस्मिक आम चुनाव में साने ताकाइची ने प्रचंड विजय हासिल की। ➢ उनकी **लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी)** ने निचले सदन की 465 में से 316 सीटें जीतकर अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।
एलन मस्क	➢ फरवरी 2026 में एलन मस्क 800 अरब अमेरिकी डॉलर की कुल संपत्ति का आंकड़ा पार करने वाले **विश्व के पहले व्यक्ति** बन गए। ➢ **स्पेसएक्स** और **xAI** के विलय के बाद उनकी संपत्ति में तीव्र वृद्धि हुई, जिससे इस नवनिर्मित संयुक्त इकाई का मूल्य लगभग **1.25 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर** आंका गया। ➢ फोर्ब्स के अनुसार, उनकी अनुमानित व्यक्तिगत संपत्ति लगभग **852 अरब अमेरिकी डॉलर** तक पहुँच गई।
कबाक यानो	➢ 1 फरवरी, 2026 को **भारतीय पर्वतारोही** कबाक यानो ने **अर्जेंटीना** स्थित **माउंट अकोंकागुआ** पर सफलतापूर्वक फतह हासिल की। ➢ यह **दक्षिण अमेरिका** तथा **पश्चिमी गोलार्ध** की सबसे ऊँची चोटी है। (ऊंचाई: **22,831 फीट**) ➢ 27 वर्षीय कबाक यानो **अरुणाचल प्रदेश** से संबंध रखती हैं।
नर्गिस मोहम्मदी	➢ 8 फरवरी, 2026 को ईरानी कार्यकर्ता और **2023** की **नोबेल शांति पुरस्कार विजेता** नर्गिस मोहम्मदी को 7 वर्ष 6 महीने के नए कारावास दंड की सजा सुनाई गई।
युमनाम खेमचंद सिंह	➢ 4 फरवरी, 2026 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युमनाम खेमचंद सिंह को **मणिपुर के नए मुख्यमंत्री** के रूप में शपथ लेने पर बधाई दी।

नियुक्ति

उदय कोटक

13 फरवरी, 2026 को गुजरात सरकार ने अनुभवी बैंकर एवं उद्योगपति उदय कोटक को तत्काल प्रभाव से "गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-सिटी" (GIFT City) कंपनी लिमिटेड का नया अध्यक्ष नियुक्त किया है।

खेल परिदृश्य

खेल जगत में हाल के घटनाक्रमों पर आधारित

चर्चित खेल व्यक्तित्व

हरमनप्रीत कौर

19 फरवरी, 2026 को, भारत की विश्व कप विजेता कप्तान हरमनप्रीत कौर, कैनबरा में ऑस्ट्रेलिया महिला राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के विरुद्ध दूसरे टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक मैच खेलने वाली खिलाड़ी बन गईं।

- अपनी 356वीं अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति के साथ, उन्होंने **सूजी बेट्स** को पीछे छोड़ दिया, जिनके नाम पहले 355 मैचों का रिकॉर्ड था।

स्मृति मंधाना

16 फरवरी, 2026 को नई दिल्ली में आयोजित एक समारोह में स्मृति मंधाना को BCC इंडियन स्पोर्ट्सवुमन ऑफ द ईयर, 2025 सम्मान से सम्मानित किया गया।

- यह पुरस्कार **वर्ष 2025** में महिला विश्व कप में भारत की ऐतिहासिक विजय में उनकी निर्णायक भूमिका के लिए प्रदान किया गया।

जोहान्स क्लेबो

21 फरवरी, 2026 को नॉर्वे के जोहान्स होसफ्लॉट क्लेबो ने शीतकालीन ओलंपिक में एक ही संस्करण में 6 स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। ऐसा करने वाले वे पहले खिलाड़ी बन गए हैं।

- क्लेबो ने **इटली** के **टेसरो** में आयोजित **50 किलोमीटर मास स्टार्ट स्पर्धा** में विजय हासिल की।
- इसके साथ ही उन्होंने **एरिक हेडन** द्वारा वर्ष 1980 में स्थापित 5 स्वर्ण पदकों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया।

पारस डोगरा

फरवरी 2026 में जम्मू-कश्मीर के कप्तान रणजी ट्रॉफी के इतिहास में 10,000 रन पूरे करने वाले सबसे तेज बल्लेबाज बने और रणजी इतिहास में 10,000 रन पार करने वाले दूसरे बल्लेबाज बने।

- **बंगाल** के खिलाफ सेमीफाइनल में उन्होंने यह उपलब्धि मात्र 147 पारियों में हासिल की, जो नया रिकॉर्ड है।
- इससे पहले **वसीम जाफर** ने 196 पारियों में यह मुकाम पाया था।

सोराया अघाई हाजीआघा

4 फरवरी, 2026 को इटली के मिलान में आयोजित 145वें IOC सत्र के दौरान सोराया अघाई हाजीआघा को अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (IOC) की सदस्य चुना गया।

- वे **ईरान** से **IOC** की **पहली महिला सदस्य** बनीं, जो देश के खेल इतिहास में ऐतिहासिक उपलब्धि है।
- इस चुनाव के साथ वे वर्तमान में IOC की **सबसे युवा सदस्य** भी बन गईं।

माइकल नोब्स

29 फरवरी, 2026 को लंबी बीमारी के बाद माइकल नोब्स का 72 वर्ष की आयु में निधन हो गया।

- वे **ऑस्ट्रेलिया** के पूर्व **हॉकी खिलाड़ी** थे; वे **2011-2013** के दौरान भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच भी रहे।

बहु-खेल स्पर्धा

छठे खेलो इंडिया विंटर गेम्स का उद्घाटन

23 फरवरी, 2026 को जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने गुलमर्ग में 'खेलो इंडिया विंटर गेम्स' (शीतकालीन खेलों) के छठे संस्करण का उद्घाटन किया।

- इस **4 दिवसीय** भव्य आयोजन में विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लगभग 1,000 एथलीट और खेल अधिकारी हिस्सा ले रहे हैं।

एथलेटिक्स

राष्ट्रीय भारोत्तोलन चैंपियनशिप, 2026

4 फरवरी, 2026 को राष्ट्रीय भारोत्तोलन चैंपियनशिप, 2026 में ओलंपिक रजत पदक विजेता मीराबाई चानू ने ऐतिहासिक प्रदर्शन करते हुए महिलाओं के 48 किग्रा वर्ग में 3 नए राष्ट्रीय रिकॉर्ड स्थापित किए।

- ये नए राष्ट्रीय रिकॉर्ड **मीराबाई चानू** ने **स्नैच, क्लीन एंड जर्क** तथा **कुल योग**, तीनों स्पर्धाओं में कुल 205 किलोग्राम भार उठाकर स्थापित किए।
- यह कुल भार उनके पूर्व व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 199 किग्रा (जो उन्होंने 2022 विश्व भारोत्तोलन चैंपियनशिप, फोर्डे में हासिल किया था) से 6 किग्रा अधिक है।

एशियाई इंडोर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप 2026

8 फरवरी, 2026 को चीन के तियानजिन में आयोजित एशियाई इंडोर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में तेजस्विन शंकर ने पुरुष हेप्टाथलॉन स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया।

- तेजस्विन ने कुल 5,993 अंकों के साथ शीर्ष स्थान प्राप्त किया।
- यह प्रदर्शन न केवल प्रतियोगिता का सर्वश्रेष्ठ रहा, बल्कि उन्होंने अपना ही पूर्व राष्ट्रीय इंडोर रिकॉर्ड (5,650 अंक, वर्ष 2021) भी पीछे छोड़ दिया।
- इस चैम्पियनशिप में भारत का यह एकमात्र स्वर्ण पदक रहा।
- कुल मिलाकर भारत ने **5 पदक** जीतते हुए समग्र तालिका में **छठा स्थान** हासिल किया।
- पदक तालिका में **चीन 34 पदकों (10 स्वर्ण, 11 रजत और 13 कांस्य)** के साथ शीर्ष पर रहा।

समसामयिक प्रश्न

फरवरी 2026 के घटनाक्रम पर आधारित

समसामयिक घटनाक्रम एवं जीएस इनपुट्स पर आधारित

1. हाल ही में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय (MSME) ने राष्ट्रीय लघु उद्योग निगम (NSIC) को केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों (CPSEs) के तहत अनुसूची 'B' से अनुसूची 'A' का दर्जा प्रदान किया है। CPSEs के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. CPSE वे कंपनियां हैं, जिनमें केंद्र सरकार की प्रत्यक्ष हिस्सेदारी 51% या अधिक होती है।
2. सार्वजनिक उपक्रम विभाग (DPE) CPSEs को 3 अनुसूचियों (A, B एवं C) में वर्गीकृत करता है।

उपरोक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1, न ही 2

2. हाल ही में नन्धौर वन्यजीव अभयारण्य में पहली बार स्मूथ-कोटेड ऊदबिलाव (smooth-coated otters) दर्ज किए गए। यह अभयारण्य किस राज्य में स्थित है?

(a) हिमाचल प्रदेश (b) सिक्किम
(c) उत्तर प्रदेश (d) उत्तराखंड

3. हाल ही में यह मामला प्रकाश में आया कि लोक सभा में लगभग दो वर्षों से विशेषाधिकार समिति (Privileges Committee) और आचार समिति (Ethics Committee) का गठन नहीं हुआ है। विशेषाधिकार समिति के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

I. विशेषाधिकार समिति एक अर्ध-न्यायिक निकाय है जो संसद और उसके सदस्यों के विशेष अधिकारों एवं उन्मुक्तियों की रक्षा करती है।
II. संसद तथा राज्य विधानमंडलों की शक्तियां एवं विशेषाधिकार क्रमशः भारतीय संविधान के अनुच्छेद 105 और 194 के अंतर्गत परिभाषित हैं।
III. लोक सभा की विशेषाधिकार समिति में 10 सदस्य होते हैं जिन्हें सदन द्वारा चुना जाता है।

उपरोक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

(a) केवल कथन I (b) केवल कथन I और II
(c) केवल कथन II और III (d) सभी कथन सही हैं

4. हाल ही में अगत्ती की प्रवाल भित्तियों से खोजी गई गैलथिया बालासुब्रमण्यनी (Galathea balasubramaniani) नामक प्रजाति किस प्रकार के जीव से संबंधित है?

(a) मोलस्क (b) केकड़ा
(c) जेलीफिश (d) स्टारफिश

5. ताकेशिमा, जो हाल ही में जापान और दक्षिण कोरिया के बीच संप्रभुता विवाद के कारण चर्चा में रहा, किस अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र में स्थित है?

(a) पूर्वी चीन सागर (b) जापान सागर
(c) पीला सागर (d) फिलीपीन सागर

6. 18 फरवरी, 2026 को 1946 के रॉयल इंडियन नेवी (RIN) विद्रोह की 80वीं वर्षगांठ मनाई गई। यह ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के विरुद्ध एक महत्वपूर्ण विद्रोह था। RIN विद्रोह के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

I. यह विद्रोह नौसैनिक जवानों द्वारा खराब सेवा परिस्थितियों तथा नस्लीय भेदभाव के विरोध में एक आंदोलन के रूप में प्रारंभ हुआ था।
II. यह विद्रोह आजाद हिन्द फौज (INA) के मुकदमों से प्रेरित था।
III. यह विद्रोह एक महीने से अधिक समय तक चला और इसके परिणामस्वरूप ब्रिटेन द्वारा भारत को तत्काल सत्ता हस्तांतरण किया गया।

उपरोक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

(a) केवल कथन-I
(b) केवल कथन-I और कथन-II
(c) केवल कथन-II और कथन-III
(d) सभी कथन सही हैं

7. हाल ही में, बेंगलुरु स्थित स्टार्टअप 'सर्वम एआई' ने दो स्वदेशी लार्ज लैंग्वेज मॉडल (LLM) लॉन्च किए। LLM के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. लार्ज लैंग्वेज मॉडल एक प्रकार का आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस है, जिसे मानव भाषा को समझने और उत्पन्न करने के लिए भारी मात्रा में टेक्स्ट डेटा पर प्रशिक्षित किया जाता है।
2. लार्ज लैंग्वेज मॉडल बिना किसी 'पैरामीटर्स' के उपयोग के कार्य करते हैं और केवल मैन्युअल रूप से कोड किए गए नियमों पर निर्भर रहते हैं।

उपरोक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

8. हाल ही में, भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (FSSAI) द्वारा जारी एक एडवाइजरी में 1 जुलाई, 2026 से कॉफी पाउडर के पैकेटों पर 'कासनी' या 'चिकोरी' (Chicory) की मात्रा की स्पष्ट 'फ्रंट-ऑफ-पैक लेबलिंग' को अनिवार्य किया गया है। चिकोरी के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. चिकोरी मुख्यतः विश्वभर के समशीतोष्ण (temperate) क्षेत्रों में उगाई जाती है।
2. चिकोरी, एस्टरेसी (Asteraceae) कुल से संबंधित है।

उपरोक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) दोनों 1 और 2 (d) न तो 1 और न ही 2

करेंट अफेयर्स वनलाइनर

सरकारी समाचार सेवाओं-PIB, AIR इत्यादि से संकलित

राष्ट्रीय

- हाल ही में किस संगठन ने उत्तरी सिक्किम में 'चुंगथांग-लाचेन एक्सिस' और 'तारम चू पुल' का पुनर्निर्माण और पुनरुद्धार किया है? **-सीमा सड़क संगठन (BRO)**
- सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ टेलीमैटिक्स (C-DOT) ने 13 फरवरी, 2026 को दूरसंचार एवं साइबर सुरक्षा सहयोग हेतु किस संस्थान के साथ समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए? **-राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय**
- 8-9 फरवरी, 2026 को नई दिल्ली में साइबर लचीलेपन और ऑनलाइन सुरक्षा को बढ़ावा देने हेतु कौन-सा शिखर सम्मेलन आयोजित किया गया? **-ग्लोबल साइबरपीस समिट, 2026**
- सेवानिवृत्ति के पश्चात मिलने वाले लाभों में लंबे समय से बनी असमानताओं को समाप्त करने की दिशा में सरकार ने मिलिट्री नर्सिंग सर्विस (MNS) के अधिकारियों को अब कौन-सा दर्जा प्रदान किया है? **-पूर्व सैनिक का दर्जा**
- इंडिया-एआई इम्पैक्ट समिट, 2026, जो वैश्विक दक्षिण में आयोजित होने वाला पहला वैश्विक एआई शिखर सम्मेलन है, 16-20 फरवरी, 2026 के मध्य कहां आयोजित किया जाएगा? **-नई दिल्ली में**

आर्थिकी

- हाल ही में किस संगठन ने किसान क्रेडिट कार्ड योजना के लिए कवरेज बढ़ाने और संचालन को मानकीकृत करने हेतु संशोधित मसौदा दिशानिर्देश जारी किए? **-भारतीय रिजर्व बैंक**
- नमो गौरव पार्कों के विकास हेतु 2026-27 के गुजरात राज्य बजट में कितनी राशि आवंटित की गई? **- 20 करोड़**
- फरवरी 2026 में किन दो देशों ने सीमापार नदियों (Trans-boundary Rivers) एवं जलविद्युत परियोजनाओं पर सहयोग सुदृढ़ करने पर सहमति व्यक्त की? **-भारत और भूटान**
- जनवरी 2026 में भारत के औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (IIP) की वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि दर क्या रही? **-4.8%**

अंतरराष्ट्रीय

- 28 फरवरी, 2026 को इजराइल-अमेरिका हमलों में किस ईरानी नेता की कथित रूप से मृत्यु हो गई? **-अयातुल्लाह अली ख़ामेनेई**
- फरवरी 2026 में पाकिस्तान द्वारा अफगानिस्तान के खिलाफ शुरू किए गए सैन्य अभियान का नाम क्या है? **-ऑपरेशन 'गजब लिल हक' (Operation Ghazab Lil Haq)**
- भ्रष्टाचार बोध सूचकांक, 2025 में भारत को कौन-सा स्थान प्राप्त हुआ है? **-91वां**
- अस्थायी नियुक्तियों पर कार्य करने वाले श्रमिकों के लिए दोहरे सामाजिक सुरक्षा अंशदान (Double Contributions) को रोकने हेतु भारत ने फरवरी 2026 में किस देश के साथ सामाजिक सुरक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं? **-यूनाइटेड किंगडम**
- 10 से 13 फरवरी, 2026 तक जर्मनी के न्यूरेम्बर्ग में आयोजित हो रहे जैविक उत्पादों के विश्व के प्रमुख व्यापार मेले 'BIOFACH 2026' में किस देश को 'कंट्री ऑफ द ईयर' का दर्जा दिया गया? **-भारत**

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

- उन्नत प्रौद्योगिकियों को एकीकृत करने और नवाचार का समर्थन करने के लिए भारतीय रेलवे द्वारा शुरू की गई नई नीति का नाम क्या है? **-रेलटेक नीति**
- हाल ही में इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट, 2026 में 'अमेरिका-इंडिया कनेक्ट' पहल के अंतर्गत 5 वर्षों में 15 अरब डॉलर के निवेश की घोषणा किस कंपनी ने की? **-गूगल**
- हाल ही में किस मंत्रालय ने इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट, 2026 में बहुभाषी डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से ओपन-सोर्स वॉइस एआई स्टैक 'वॉइसईआरए' (VoicERA) लॉन्च किया? **-इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय**
- भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (TRAI) ने हाल ही में स्पैम की समस्या की रोकथाम और नेटवर्क प्रदर्शन की निगरानी हेतु किन मोबाइल एप्लीकेशंस के संशोधित संस्करण लॉन्च किए? **-ट्राई डीएनडी (TRAI DND) और ट्राई मायस्पीड (TRAI MySpeed)**

पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी

- भारत का पहला अंडरवाटर ट्विन ट्यूब रोड-कम-रेल टनल प्रोजेक्ट, जिसे हाल ही में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति द्वारा स्वीकृति प्रदान की गई, किस नदी के नीचे निर्मित की जाएगी? **-ब्रह्मपुत्र**
- हाल ही में आंध्र प्रदेश के पूर्वी घाट में आक्रामक चींटियों (Army Ants) की कौन-सी दो नई प्रजातियां खोजी गई हैं? **-एनिक्टस चित्तूरेंसिस और एनिक्टस लंकामल्लेंसिस**

राज्य

- हाल ही में भारत के प्रधानमंत्री और फ्रांस के राष्ट्रपति ने एयरबस एच-125 लाइट यूटिलिटी हेलीकॉप्टर की अंतिम असेम्बली लाइन का उद्घाटन कहां किया? **-कर्नाटक**
- हाल ही में किस भारतीय राज्य ने ज्वारीय बाढ़ (टाइडल फ्लडिंग) को राज्य-विशिष्ट आपदा घोषित किया है? **-केरल**